सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हेडिंग्ले में दो शतक लगाकर रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंचे ऋषभ पंत, टॉप से अभी बेहद दूर -पेज: 7

कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं रूही सिंह... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 85 | गुरुवार 03 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

सोनिया और राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, नेशनल हेराल्ड मामला में ईडी ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली की एक विशेष अदालत ने अब बंद हो चुके नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार को दैनिक सुनवाई शुरू की। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़े इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने कर रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल वी राजू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को हड़पना चाहती थी, जिसकी संपत्ति 2,000 करोड़ रुपये की थी। एएसजी ने कहा कि यह साजिश कांग्रेस पार्टी के इशारे पर सोनिया और राहुल गांधी ने रची थी। एजेएल पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित नेशनल हेराल्ड अखबार का प्रकाशन करता था। राजू ने कहा कि यंग इंडियन बनाने की

एजेएल पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित नेशनल हेराल्ड अखबार का प्रकाशन करता था। राजू ने कहा कि यंग इंडियन बनाने की साजिश रची गई थी, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी के 76% शेयर थे, ताकि कांग्रेस से लिए गए 90 करोड़ रुपये के कर्ज के लिए 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पी जा सके।

साजिश रची गई थी, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी के 76% शेयर थे, ताकि कांग्रेस से लिए गए 90 करोड़ रुपये के कर्ज के लिए 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पी जा सके। एसजी एस वी राजू ने कहा, "यंग इंडियन ने घोषणा की थी कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी लाभकारी मालिक थे। एएसजी ने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा यंग इंडियन में प्रमुख प्रबंधकीय कर्मी थे।" एएसजी एसवी राजू ने दलील दी कि 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति वाली कंपनी एजेएल को 90 करोड़ रुपये के लोन के लिए अधिग्रहित किया गया। यह एक धोखाधड़ी है। यह वास्तविक लेनदेन नहीं था। एजेएल का अधिग्रहण कांग्रेस ने नहीं, बल्कि यंग इंडियन ने किया था। उन्होंने कहा कि यह एक साजिश थी। एएसजी ने कहा कि कांग्रेस ने न तो ब्याज लिया और न ही जमानत ली। 90 करोड़ रुपये का लोन 50 लाख रुपये में बेचा गया। ईडी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर एजेएल को विज्ञापन के पैसे भी दिए गए। इस फर्जी कंपनी से जो भी आय हुई, वह अपराध की कमाई है। 21 मई को पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कथित नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े 142 करोड़ रुपये के "अपराध की आय" का आनंद लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक एजेंसी ने नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार समेत वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की है। आरोप पत्र में कांग्रेस के ओवरसीज प्रमुख पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य के नाम शामिल हैं।

'अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया वाले गिरोह के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई', ग्लोबल ड्रग कार्टेल पर भारत ने मारी चोट तो बोले अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार (02 जुलाई, 2025) को ग्लोबल ड्रग कार्टेल के भंडाफोड़ पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और दूसरी अन्य एजेंसियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एजेंसियों ने शानदार काम का उदाहरण पेश किया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "वैश्विक ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने पर ठ3इ और सभी एजेंसियों को बधाई। जांच ने मल्टी-एजेंसी समन्वय का एक शानदार उदाहरण पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप 8 गिरफ्तारियां हुईं और 5 खेपों की जब्ती हुई, जबकि अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में 4 महाद्वीपों और 10 से ज्यादा देशों में संचालित होने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई। हमारी एजेंसियां लगातार इन गिरोहों की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले क्रिप्टो भुगतान और गुमनाम ड्रॉप शिपर्स जैसे परिष्कृत तरीकों की निगरानी कर रही हैं।" उन्होंने आगे कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर ड्रग कार्टेल को खत्म करने और हमारे युवाओं की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्प है

'मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का बंटाधार किया जयराम रमेश बोले- प्रति व्यक्ति कर्ज 4.8 लाख रुपए हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट से संबंधित खबरों का हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है। पिछले दो साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 90 हजार रुपए से बढ़कर 4.8 लाख रुपए हो गया है। कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि जनता कर्ज में डूब रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परम मित्र मुनाफा कमा रहे हैं तथा उनकी संपत्ति बढ़ती ही जा रही है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, " "अच्छे दिन" का कर्ज.! मोदी सरकार ने पिछले ग्यारह सालों में देश की अर्थव्यवस्था का बंटाधार कर दिया है। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में कोई प्रयास नहीं किया गया, केवल पूंजीपति मित्रों के

लिए सारी नीतियां बनाई गईं, जिसका अंजाम आज देश की जनता भुगत रही है।" 'देश पर कर्ज का बोझ मोदी राज में चरम पर है' उन्होंने कहा कि यह सच्चाई किसी न किसी तरह हर रोज हमारे सामने आ रही है। रमेश ने कुछ खबरों का हवाला देते हुए दावा किया, " रिजर्व बैंक की ताजा रिपोर्ट से भारत की अर्थव्यवस्था की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। सरकार कि ओर से आंकड़ेबाजी और विशेषज्ञों का सहारा लेकर असली कमियों को छुपाने की कोशिश लगातार जारी है, लेकिन इस सच्चाई से कोई इनकार नही कर सकता कि देश पर कर्ज का बोझ मोदीराज में चरम पर है। " उन्होंने कहा कि दो साल में प्रति व्यक्ति कर्ज 90,000 रुपए बढ़कर 4.8 लाख रुपए हो गया है यानी लोगों की आमदनी का 25.7 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ कर्ज चुकाने में जा रहा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया, "सबसे ज्यादा 55 प्रति कर्ज तथाकथित रूप से क्रेडिट कार्ड, मोबाइल ईएमआई आदि के लिए जा रहा है, जिसका मतलब है इस महंगाई में परिवारों की आय में उनका गुजारा नहीं हो रहा है और वे कर्ज लेने पर मजबूर हैं। असुरक्षित कर्ज 25 प्रतिशत पार हो चुका है।" 'युवाओं के पास नौकरी नहीं है... रमेश के अनुसार, सबसे चिंताजनक बात यह है कि मार्च 2025 तक भारत पर दूसरे देशों का/बाहरी कर्ज 736.3 अरब डॉलर था, जो पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत ज्यादा है। उन्होंने दावा किया कि युवाओं के पास नौकरी नहीं है

हमले से पहले भारत को जवाबी कार्रवाई का अधिकार, राजनाथ सिंह की अमेरिका और पाकिस्तान को खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी): ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर दुनिया को लाउड एंड क्लियर मैसेज दिया है कि अगर उसके ऊपर हमला किया जाता है तो वो इसका जवाब बड़े हमले से देगा। इसके साथ ही ये भी साफ कर दिया है कि अगर भारत को हमले की भनक भी लगेगी तो उसे पहले हमला करने का अधिकार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के साथ इस सप्ताह लगभग 20 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने हेगसेथ से कहा कि पाकिस्तान की ओर से शुरू किए सीमा पार आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत को खुद का बचाव करने के लिए पहले हमला करने का अधिकार सुरक्षित है। इस बात की जानकारी

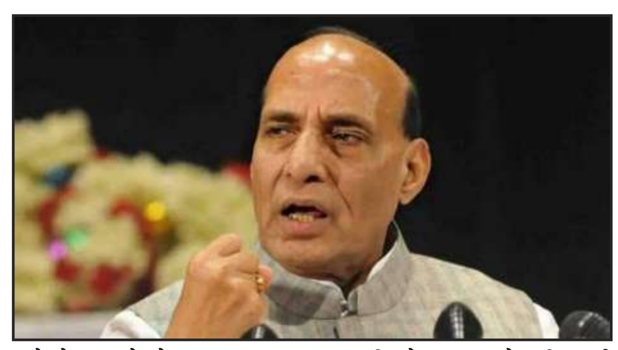

सूत्रों के हवाले से बुधवार (02 जुलाई, 2025) को सामने आई। आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह पाकिस्तान इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के रिकॉर्ड को खंगालते हुए कहा कि भारत का पड़ोसी मुल्क आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। दरअसल, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को दोपहर के खाने के लिए व्हाइट हाउस बुलाया था। ऐसे में राजनाथ सिंह की इस टिप्पणी को भारत की ओर से एक मजबूत संदेश के रूप में देखा जा रहा है।ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने की थी नपी-तुली कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया और जवाबी कार्रवाई में भारी नुकसान पहुंचाया। इसको लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि मई में पाकिस्तान के साथ 100 घंटे तक चले सशस्त्र संघर्ष के दौरान भारत की कार्रवाई नपी-तुली, गैर-बढ़ावा देने वाली, आनुपातिक और केंद्रित थी, जबकि पाकिस्तान ने नागरिकों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान का पिछला रिकॉर्ड पूरी दुनिया जानती है। ये अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कार्रवाई गैर बढ़ावा देने वाली, आनुपातिक थी और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निष्क्रिय करने पर केंद्रित थी।

मैं ही रहूंगा सीएम, कांग्रेस आलाकमान से ग्रीन सिग्नल के बाद सिद्दरमैया का दावा; शिवकुमार बोले- मेरे पास विकल्प नहीं

कर्नाटक (एजेंसी): कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर किए जा रहे सारे कयास धरे के धरे रह गए। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने साफ कर दिया है कि वह पूरे पांच साल तक अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे और कोई भी अफवाह उनकी राह में रोड़ा नहीं बन सकती। दूसरी तरफ, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी खुलकर उनका साथ देने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, मेरे पास और कोई रास्ता नहीं, मुझे उनके साथ खड़ा होना है और उनका साथ देना है। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के सामने मेरा कोई सवाल ही नहीं उठता शिवकुमार ने हाल ही में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, मैंने किसी से मेरे पक्ष में बोलने को नहीं कहा। जब मुख्यमंत्री (सिद्दरमैया) मौजूद हैं, तो ऐसी बातों का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने यह भी साफ किया कि पार्टी हाईकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसी का पालन करेंगे। शिवकुमार

ने विधायकों में किसी भी तरह की नाराजगी से इनकार किया और कहा कि वह सिर्फ जिम्मेदारी तय कर रहे हैं। सिद्दरमैया ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में दो टूक कहा, हां, मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा। आपको क्यों शक है? उन्होंने बीजेपी और जेडी(एस) पर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया और कहा, क्या वे कांग्रेस का हाईकमान हैं? नेतृत्व को लेकर उठते रहते हैं सवाल कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही नेतृत्व को लेकर सवाल उठते रहे हैं। मई 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद डीके शिवकुमार के समर्थकों को उम्मीद थी कि उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी मिलेगी। लेकिन, 135 विधायकों का बहुमत समर्थन हासिल कर सिद्दरमैया मुख्यमंत्री बने, जबकि शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली के लिए रखा बड़ा प्रस्ताव, लक्ष्य पूरा हुआ तो इस क्षेत्र में हब बन जाएगी राजधानी

नई दिल्ली (एजेंसी): सब कुछ ठीक रहा तो राजधानी दिल्ली में एक चिकित्सा विश्वविद्यालय देखने को मिल सकता है। मंगलवार को सचिवालय में डाक्टर्स डे के मौके पर दिल्ली के डाक्टरों से संवाद के दौरान चिकित्सा विश्वविद्यालय बनाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रखा। उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि देशभर के विद्यार्थियों को श्रेष्ठ चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिल सके। मुख्यमंत्री ने डाक्टरों के राष्ट्रनिर्माण में योगदान की सराहना करते हुए दिल्ली को देश का प्रमुख मेडिकल हब बनाने की अपनी सरकार की दृष्टि साझा की। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, जब हर जगह से उम्मीद खत्म हो जाती है, तब इंसान भगवान और डाक्टरों की शरण में जाता है। इसीलिए डाक्टरों को धरती पर भगवान का दूत कहा जाता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था कई चुनौतियों से

जूझ रही है और अब इसे ठीक करना समय की मांग है। उन्होंने डाक्टरों से आान किया कि वे अपने विचार, मार्गदर्शन और समर्थन से दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को आधुनिक, प्रभावी और जन-केंद्रित बनाने में सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार कोटा को शिक्षा हब के रूप में पहचान मिली है, उसी तरह दिल्ली को इलाज के लिए पहली पसंद बनाना है। मुख्यमंत्री ने डाक्टर्स डे पर भावुक अपील करते हुए कहा कि, आज मैं आप सभी से एक रिटर्न गिफ्ट चाहती हूं। आप अपना अनुभव, ज्ञान और समय देकर दिल्ली की चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करें। बदले में दिल्ली सरकार भी आपके साथ चौबीसों घंटे पूरी निष्ठा से कार्य करेगी। 100 दिन में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, हम एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था बना रहे हैं, जहां हर नागरिक को अत्याधुनिक इलाज मिले और लोग कहें कि इलाज कराना है तो दिल्ली चलो। सीएम को किया मानव सेवा रत्न से सम्मानित दिल्ली मेडिकल फोरम ने कार्यक्रम के दौरान सीएम रेखा गुप्ता को मानव सेवा रत्न से सम्मानित किया गया। इस दौरान सीएम ने करीब 26 डाक्टरों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में डा. सर्वेश टंडन, डा. डीएस राणा, डा. हर्ष महाजन, डा. वीके मोंगा, डा. एससीएल गुप्ता, डा. अजय बेदी और डा. सुनील सिंघल डा. विनय अग्रवाल, डा. मनोज कुमार, डा. सुभाष गुप्ता और डा. रुद्रप्रयाग आचार्य समेत कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया।

पहलगाम हमले की एक सुर में निंदा, लेकिन पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज; ट्रैक्टर शुरू करेगा ये तीन अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और भारत का संगठन क्वाड ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। मंगलवार को वाशिंगटन में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए इसमें मारे गये 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। क्वाड ने संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आग्रह किया है कि वह इस हमले के दोषियों को सजा दिलाने में मदद करें। हालांकि जैसी भारत की मंशा थी पहलगाम हमले के संदर्भ में संयुक्त बयान में पाकिस्तान या इसकी तरफ से पोषित आतंकवादी संगठनों का नाम नहीं लिया गया है। क्वाड की उक्त बैठक से पहले अपने संबोधन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम हमले के बारे में साफ तौर पर कहा था कि भारतीय नागरिकों पर इस तरह के आतंकी हमले आगे होंगे तो फिर से जवाबी कार्रवाई की जाएगी। क्वाड के संयुक्त बयान में कहा गया है कि, क्वाड सीमा पार आतंकवाद समेत हर तरह के अतिवाद की कड़ी निंदा करता है। जम्मू व कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भी हम बेहद कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इसमें मारे गये लोगों के परिजनों के प्रति हम

गहरी संवेदना जताते हैं और जो लोग घायल हुए हैं उनके जल्दी से ठीक होने की कामना करते हैं। क्वाड शुरू करेगा तीन अभियान क्वाड की इस बैठक को अगले कुछ महीनों बाद इन देशों के शीर्ष नेताओं की भारत में होने

क्वाड देशों ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। क्वाड ने संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया है कि हमले के दोषियों को सजा दिलाने में मदद करें।

वाली बैठक की तैयारी के तौर पर भी देखा जा रहा है। इस बैठक में तीन अहम फैसले हुए हैं जो भारत के हितों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। प्रौद्योगिकी आधारित अत्याधुनिक उद्योगों में बहुमूल्य धातुओं के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए क्वाड क्रिटिकल मिनिरल्स इनिशिएटिव की घोषणा की गई है। इसका एक मकसद क्रिटिकल मिनिरल्स में चीन पर निर्भरता को खत्म करना भी है। इस पहल के तहत चारों देश आपसी साझेदारी से दुनिया में बहुमूल्य धातुओं की खोज करेंगे, उनका दोहन करेंगे और इसके इस्तेमाल की रणनीति बनाएंगे। दूसरा कदम, क्वाड इंडो पैसिफिक लॉजिस्टिक नेटवर्क के तौर पर होगा। इसके तहत सामुद्रिक सुरक्षा को बेहतर बनाने में एक दूसरे की मदद की जाएगी और साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र के दूसरे देशों को भी मदद दी जाएगी। तीसरी पहल क्वाड बंदरगाहों की स्थापना को लेकर है। इसे क्वाड देशों के सबसे महत्वाकांक्षी अभियान के तौर पर देखा जा रहा है। इस बारे में इसी वर्ष एक बैठक इन देशों की मुंबई में होगी। यह कारोबारी व सैन्य उद्देश्यों से ऐसे बंदरगाहों का निर्माण किया जाएगा जिस पर ये देश व इनके साझेदार देश पूरी तरह से भरोसा कर सकें।

संपादकीय

दूरदर्शी कदम

चीन का कहना है, भारत के साथ सीमा विवाद जटिल हैं, इसे सुलझाने में समय लगेगा। साथ ही उसने इच्छा व्यक्त की कि सरहदों के निर्धारण पर चर्चा हो। दोनों देशों के बीच अलग-अलग स्तर पर कूटनीतिक व सैन्य संपर्क प्रणाली मौजूद है। दोनों ने विशेष प्रतिनिधि वार्ता की व्यवस्था भी की है। चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि हम क्रॉस बॉर्डर सहयोग बढ़ाना चाहते हैं। जैसा कि 2020 की गलवान झड़प में बीस सैनिक शहीद हो गए थे और साठ चीनी जवान भी मारे गए थे। इसके बाद से दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के चलते सेना आमने-सामने आती रही हैं। कई इलाकों में चीन की तरफ से घुसपैठ भी हुई। हालांकि अब तक हुई तेईस दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता के बावजूद व्यवस्थित रोड़मैप बनाने में सहमति नहीं बन पाई। बीते दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान चीनी रक्षा मंत्री ड़ोंग जुन से सीमा पर शांति-स्थिरता बनाए रखने की बात की थी। मानसरोवर यात्रा बहाल करने की तारीफ भी की थी। यह चर्चा ऐसे वक्त हुई जब चीन बांग्लादेश व पाकिस्तान के साथ मिल कर एक नया मंच बनाने की तैयारी कर रहा है जो सार्क का स्थान ले सकता है। हालांकि बांग्लादेश इस धारणा को खारिज कर चुका है। मगर चीन बेहतर व्यापार-संपर्क माध्यमों की सहभागिता की आड़ में पड़ोसियों से नजदीकियां बढ़ाने के संकेत देता रहा है। यूं तो चीन की विदेश नीति जटिल रही है खासकर अमेरिका के साथ। परंतु वह रूस के साथ घनिष्ठ राजनीतिक-आर्थिक-सैन्य संबंध रखता है और सुपरपावर बनने का ख्वाब भी देखता है। हालांकि अपने चिर-परिचित अंदाज में बात करने वाले चीनी सरकार के पूर्वी लद्दाख में कुछ टकराव वाले बिन्दुओं पर पीछे हटने पर बनी सहमति को सकारात्मक तौर पर लिया जा सकता है। यह कहना जल्दबाजी नहीं है कि शर्तों के बावजूद परिसीमन पर होने वार्ता के परिणाम बेहतर सकते हैं। अनिर्धारित, विवादित व संवेदनशील सीमाओं को विश्वास की कमी के कारण जटिल बनाने की बजाय सहमति के साथ चिन्हित करने के प्रयास दोनों पक्षों की तरफ से होने चाहिए। भारत को पड़ोसी मुल्कों के साथ रिश्ते न सिर्फ बेहतर करने पर तवज्जो देनी चाहिए, बल्कि उनके साथ व्यापारिक-आर्थिक-परस्पर सहयोग के मार्ग भी प्रशस्त करने चाहिए। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ने की तैयारी में कूटनीतिक कदम उठाना दूरदर्शिता ही साबित होगी।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाअं आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पना करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सा गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषा एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने ल उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लग वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनु सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधा आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्क हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनु बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है।

शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अप उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंद मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो दे है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव कर हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय व वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण कर वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृ विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रा सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सक है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कु करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़ फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में ज सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पा जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रक आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए व प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना ग है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, जनसरोकार के प्रतिक

प्रहलाद सबनानी

तीन सितंबर 1964 को मथुरा में जन्में मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल वाणिज्य और कानून में जेएच गवर्नमेंट कॉलेज, बैतूल से स्नातक हैं। उन्हें संगठन निष्ठा, राजनीति और समाजसेवा के संस्कार अपने पिता विजय कुमार खंडेलवाल से विरासत में मिले। हेमंत खंडेलवाल को बैतूल में 'विकास पुरुष' कहा जाता है। विधायक रहते हुए उन्होंने कभी सुरक्षा गार्ड नहीं रखा। न ही गाड़ी पर नाम पट्टिका लगाई, सरकारी आवास लिया। वे हमेशा सादगी और सादा जीवन, उच्च विचार के मूल्यों पर चलते रहे। आज भी देर रात आमजन और पार्टी कार्यकताओं से बात कर उनकी समस्या सुलझाते हैं। उन्होंने कदापि अपने आपको एक नेता नहीं अपितु कार्यकर्ता के तौर पर माना। यथेष्ट, उनको करीब से जानने वाले उन्हें राजनीति के संत और जनसरोकार के प्रतिक मानते हैं।

स्तुत्य, भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक, राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रेरक विजय कुमार खंडेलवाल भाजपा से बैतूल सांसद रह चुके हैं। हेमंत खंडेलवाल अपने पिता के समय से ही जनसेवा के लिए समर्पित रहे। पिता के निधन से बैतूल लोकसभा सीट खाली हो गई। इस दौरान हुए उपचुनाव 2007 में भाजपा ने हेमंत खंडेलवाल को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा और वे लोकसभा पहुंचे। इसके बाद 2010 से 2013 तक बैतूल के जिलाध्यक्ष रहे। 2013 से 2018 तक बैतूल से विधायक निर्वाचित हुए । 2014 से 2018 तक प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे। 2021 पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता का प्रभार मिला। 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 15 जिलों के समन्वय प्रभारी बनाए गए। 2023 बैतूल विधान सभा से विधायक निर्वाचित हुए। वर्तमान में कुशाभाऊ ठाकरे ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

कर्तव्य निष्ठा, संगठन की गहरी समझ रखने वाले गंभीर व्यक्तित्व के धनी हेमंत खंडेलवाल ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। क्षेत्र के विकास, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और किसानों के मुद्दों पर वे हमेशा मुखर और सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से बैतूल में कई विकास योजनाएं क्रियान्वित की गईं, जिनका आमजन को सीधा लाभ मिला है। ऐसे अभूतपूर्व जनसेवा से उन्होंने अपनी पहचान बनाई। साथ ही प्रदेश एवं भाजपा के सभी जिला कार्यालय निर्माण संबंधी डिजाइन, निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं को बखूबी देखते रहे। शायद प्रदेश में सबसे अच्छा डिजिटल और सटीक आंकड़ों या संपर्क के मामले में उनका स्वयं का कार्यालय है। जनता जनार्दन और कार्यकताओं तक उनका सीधा संवाद उन्हें आम आदमी का खास मनाता है।

वस्तुतः आज के दौर में शुचिता की राजनीति ऐसी अनूठी मिसाल दुर्लभ है। संवाहक हेमंत खंडेलवाल जनसरोकारी जनप्रतिनिधि के साथ कुशल संगठक की निर्णायक भूमिका भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के दायित्व को संगठन ही सेवा और सेवा ही समर्पण के भाव से अक्षरशः निर्वहन करेंगे। तभी तो राजनीति के प्रतिस्पर्धा के समय में भाजपा जैसे 14 करोड़ प्राथमिक सदस्य वाली दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्हें निर्विरोध निर्वाचित किया

गया है। जो हेमंत खंडेलवाल के समर्पण और जनसेवा पर अपनी मुहर लगाता है। निश्चित ही आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा प्रदेश में सबका साथ, सबका विश्वास, सबके प्रयास से अर्जित करेंगी। अभिभूत आपके भाजपा प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने से पार्टी में काम कर रहे हे आम कार्यकताओं में यह संदेश जाएगा कि आज हम जो संगठन और जन सेवा कर रहें हैं उसका परिणाम अवश्य सम्मानित होता है जो आपके नव दायित्व से परिलक्षित होता है।

(पत्रकार व लेखक, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण से बेचैन हुआ विपक्ष

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पे शल इन्टेन्सिव रिवीजन – एस.आई.आर.) का काम शुरू हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक उसकी इस पहल का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और वास्तविक बनाना है। हालांकि, विपक्षी दलों ने मतदाता सूची में छेड़छाड़ के व्यापक आरोप लगाए हैं। लगभग सभी ने एसआईआर का विरोध किया है और कहा है कि इससे मताधिकार से वंचित होने का गंभीर खतरा है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

बिहार में इस तरह का आखिरी गहन संशोधन 2003 में किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार में 2003 की मतदाता सूची को फिर से वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, जिसमें 4.96 करोड़ लोगों के नाम हैं। इनमें शामिल लोगों को जन्मतिथि या जन्मस्थान साबित करने के लिए दस्तावेज नहीं देने होंगे। बाकी 3 करोड़ मतदाताओं को प्रमाण के लिए दस्तावेज देने होंगे। वोटिंग लिस्ट में ये संशोधन ऐसे वक्त किए जाने हैं जब बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में विपक्षी पार्टियां इस पर नाराजगी जता रही हैं। इस मसले पर विपक्ष की ओर से एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई थी, जिसमें बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कई मुद्दे उठाए थे और व्यावहारिक समस्याएं बताई थीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस कदम को एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर) से भी ज्यादा खतरनाक बताया और आरोप लगाया कि उनका राज्य, जहां अगले साल चुनाव होने हैं, असली लक्ष्य है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 जून को महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग के बारे में कई बातें लिखी थीं। उन्होंने लिखा था, '...क्योंकि महाराष्ट्र की यह मैच फिक्सिंग अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर वहां भी, जहां-जहां बीजेपी हार रही होगी।'

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 'पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम' है। इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसको लेकर सवाल उठाए। उन्होंने 27 जून को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। जबकि सत्तारूढ़ दलों ने इसे पूर्व की चुनावी धांधली पर चुनाव आयोग की सख्ती के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

महागठबंधन के प्रमुख घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 2003 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ था तो उसमें दो साल लगे थे और तब साढ़े चार करोड़ से कुछ ज्यादा मतदाता थे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का मानना है कि विधानसभा चुनाव से एक महीने पहले सघन पुनरीक्षण अभियान संभव नहीं है। राजद नेताओं ने सवाल उठाया कि अगर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की इतनी आवश्यकता है, तो यह केवल बिहार में ही क्यों किया जा रहा है? क्या देश के अन्य राज्यों को इसकी जरूरत नहीं है? नेताओं ने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बिहार को निशाना बनाने की एक सोची-समझी रणनीति है।

संविधान का अनुच्छेद 324 (1) भारत के निर्वाचन आयोग को संसद और राज्य विधानसभाओं के - चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति देता है। गहन पुनरीक्षण में मतदाता सूची को नए सिरे से तैयार किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फादा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति को करीब से जानने वालों के अनुसार, निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी

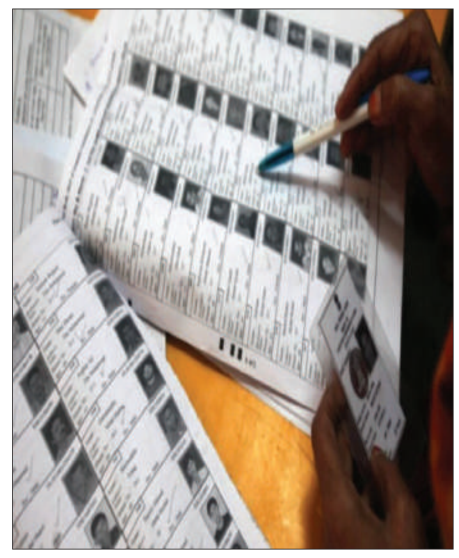

लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में राजद का वोट शेयर बढ़ा था। राजद को 23.11 फीसदी वोट मिले। भाजपा को 19.46 प्रतिशत ही वोट मिले, जदयू के खाते में 15.42 प्रतिशत वोट आया। 2024 लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा और जेडीयू ने 12-12 सीटें जीती। आरजेडी ने 4 सीटें, कांग्रेस ने 3 सीटें और एलजेपी (आर) ने 5 सीटें जीती हैं। सीपीआई (एमएल) ने 2 सीटें जीती हैं, जबकि एचएएम और एक स्वतंत्र उम्मीदवार ने 1-1 सीट जीती है।

जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा। इसको समझने के बावजूद विपक्षी पार्टियां सड़क पर नहीं उतर रही हैं। हो सकता है कि इससे मुकाबले के लिए वे न्यायपालिका का रुख करें।

हिन्दी को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनायें

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।

हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई, पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद

का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरूआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी।

महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी।

हिंदी बनाम मराठी विवाद को कई बार राजनीतिक रंग भी दिया गया है। कुछ स्थानीय दलों ने हिंदी भाषी प्रवासियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और बिहार से आए लोगों को निशाने पर लेकर हिंदी भाषा पर परोक्ष रूप से प्रहार किया है। इससे न केवल भाषा के नाम पर लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि महाराष्ट्र की समावेशी छवि को भी आघात पहुंचा है। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों, विशेषकर मुंबई, ठाणे, पुणे, और नासिक में बड़ी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय निवास करता है। ये लोग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था, व्यापार, निर्माण और सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परंतु जब इनकी भाषा को दोयम दर्जे का माना जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा 'एकता में अनेकता' के विपरीत है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी और मराठी दोनों को मान्यता प्राप्त है। हिंदी भारत की राजभाषा है और मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा। किसी भी राज्य में भाषा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर दूसरी भाषाओं को अपमानित करना न तो संवैधानिक है और न ही नैतिक। भाषायी सह-अस्तित्व के लिये महाराष्ट्र में मराठी को सर्वोच्च स्थान मिले, लेकिन हिंदी भाषा को भी सम्मान मिले, यह संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र का आधार है। स्कूलों में मराठी, हिंदी और अंग्रेजी- तीनों भाषाओं को समुचित महत्व देकर बच्चों में बहुभाषिक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल भाजपा एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

ग्रामोद्योग के क्षेत्र में एक मॉडल जिला बनाने की दिशा को बढ़ावा दे रहे: गजेन्द्र सिंह

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिला, उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस जिले में ग्रामोद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है, और इसका श्रेय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह को जाता है। गजेन्द्र सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व, नवाचार और समर्पण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों ने न केवल ग्रामोद्योग को नई दिशा दी है, बल्कि जिले के युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर भी प्रदान किए हैं। गजेंद्र सिंह ने अपने कार्यकाल में ग्रामोद्योग विभाग को एक नया आयाम दिया है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामोद्योग और अन्य पारंपरिक उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए संचालित विभागीय योजनाओं को पारदर्शिता के साथ लागू किया है। उनके नेतृत्व में, अमरोहा जिले में भविष्य के उद्यमियों के लिये विभागीय प्रशिक्षण केंद्र द्वारा प्रशिक्षण प्रदान कराया गया है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा स्थानीय कारीगरों और युवाओं को हस्तशिल्प, बुनाई, मिट्टी के बर्तन निर्माण, और अन्य कुटीर उद्योगों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल कौशल विकास करना है, बल्कि कारीगरों को आधुनिक तकनीकों और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में सक्षम बनाना भी है। गजेन्द्र सिंह ने विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। उनके प्रयासों से स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से जुडी दीदियों को प्रशिक्षण प्रदान कराये गये हैं तथा उन्हें विभागीय योजनाओं में ऋण व निःशुल्क टूल किट्स वितरित कराई गयी हैं जो ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर रहे हैं। गजेंद्र सिंह ने विभागीय इकाईयों के उत्पादों को मेले-प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रचारित करने के लिए भी कदम उठाए हैं, जिससे कारीगरों को बेहतर आय प्राप्त हो रही है। गजेन्द्र सिंह ने सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना और मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया है, विभागीय योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिये माननीय जन प्रतिनिधियों की उपस्तिथि में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया है। विभागीय योजनाओं के तहत, जिले में कई छोटे-छोटे उद्यम स्थापित किए गए हैं, जिनमें निर्माण व सेवा क्षेत्र की इकाईयाँ उत्पादन इकाइयां जैसे मधुमक्खी पालन, कृषि यन्त्र निर्माण, मसाला उद्योग, गुड़खांडसारी उद्योग, फर्नीचर, इंटरलोकिंग टाइल्स निर्माण, टेंट उद्योग, शटरिंग उद्योग, नूडल्स उद्योग, मिट्टी उत्पाद उद्योग, रेडीमेड गारमेंट्स, दुग्ध उत्पाद सहित विभिन्न उद्योग शामिल हैं। इन इकाइयों ने न केवल रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान की है। गजेंद्र सिंह का नेतृत्व प्रेरणादायक है। उनके कार्यों ने अमरोहा जिले को ग्रामोद्योग के क्षेत्र में एक मॉडल जिला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके प्रयासों से न केवल स्थानीय कारीगरों का आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धि और सतत विकास की नींव भी रखी गई है।

धनौरा क्षेत्र में स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली गई रैली

अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने की अपील,स्लोगन के माध्यम से किया गया जागरूक

धनौरा/अमरोहा(कविन्द्र सिंह) सब का सपनाः- पीएम श्री कंपोजिट चकनवाला से स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। शिक्षकों और बच्चों ने विभिन्न क्षेत्रों में अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। बच्चों ने जन जागरूकता के लिए नारा लगाया कि आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे, मम्मी पापा हमें पढ़ाओ स्कूल में चलकर नाम लिखाओ, समग्र शिक्षा अभियान का कहना पढ़ाने जाएं सभी भैया बहना आदि नारो के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इंचार्ज अध्यापक सुखदेव सिंह ने कहा कि सत्र 2025-26का प्रारंभ पहली अप्रैल से हो गया है। इस मौके पर सभी अभिभावकों से अपील की जा रही हैं की 6 से 14 वर्ष तक कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रहे। साथ ही सरकारी परिषदीय विद्यालय में अपने बच्चों का नामांकन कराएं और सरकार द्वारा निशुल्क शिक्षा का लाभ उठाएं। सहायक अध्यापक मनवीर यादव ने बताया विद्यालय स्टाफ के साथ मिलकर पूरे गांव में बच्चों के साथ रैली निकाली गई। इस दौरान अभिभावक को बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया की शिक्षा से हमें रोजगार के अवसर, विकास के अवसर, आर्थिक लाभ, सामाजिक सुविधा, व्यक्तिगत सुख, ज्ञान व समझ , समाज में आर्थिक प्रगति तथा व्यक्तिगत और सामाजिक उद्धार का विकास होता है। इस मौके पर इंचार्ज अध्यापक सुखदेव सिंह , दीपेंद्र चौधरी, मनवीर यादव,फरमान अली,अनिल कुमार , प्रवीण सिंह, निधि ,अंजलित्यागी, शिक्षा, अंजू, मीनाक्षी सिंह,निशा , मीनाक्षी मोगा आदि शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद बच्चों का तिलक लगाकर और फूलों की मालाओं से स्वागत भी किया गया था।

इमाम हुसैन ने दुनिया को दिया इंसानियत का पैगाम- मौलाना मशरेकैन

कर्बला का ज़िक्र सुनकर रोने लगे अजादार

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- इमाम हुसैन ने कर्बला के मैदान में इंसानियत व भाईचारे का पैगाम देते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी, लेकिन किसी जालिम की बैअत कुबूल नहीं की। उझारी सादात स्थित इमामबारगाहे अबू तालिब में चल रहे अशरा ए मोहर्रम की पांचवी मजलिस का आगाज मंजूर उल हसन उर्फ बश्शन मियां ने मर्सिया ख्वानी से किया। पेशख्वानी जॉन बाकरी, मौ० वासिफ रजा आदि ने की। मौ० अरमान बाकरी ने कहा-मारका जीत के इस शान से घर जाते हैं, आयतें पढ़ते हुए नेजों पर सर जाते हैं। निजामत मौलाना आसिफ रजा बाकरी ने की। मजलिस को खिताब फरमाते हुए लखनऊ से तशरीफ लाए मौलाना मशरेकैन रिजवी ने कहा कि इमाम हुसैन ने किसी जालिम की बैअत कबूल नहीं की और इंसानियत एवं भाईचाराय का पैगाम देते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी। कर्बला का जिक्र सुनकर अजादर जोर जोर से रो रहे थे। मजलिस के बाद बीबी जैनब के दोनों शहजादों औन व मोहम्मद की याद में दो जुल्जनाह बरामद हुए। जिसमें नोहा ख्वानी अकबर मेहंदी, जामिन बाकरी,मौ० वासिफ रजा आदि ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से हाजी अखलाक हुसैन, तफ़्सीरुल अब्बास, जहीन अब्बास, मौ० एहतेशाम, अदनान अली, मौ० फाजिल, जैन बाकरी, सलमान हैदर, फजले अकबर, जीशान हैदर, मौ० फुरकान, अफसर रजा,मौ० अयान, जहीर अब्बास, साहिल, हसन अब्बास, मौ० अख्तर आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आधार धारकों के विवरण में अनाधिकृत रूप से मनचाहा परिवर्तन करने वाले गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार...

बहजोई/संभल(सब का सपना):- आधार धारकों के विवरण में अनाधिकृत रूप से मनचाहा परिवर्तन करने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह का एक सदस्य मय फिंगर प्रिंट बनाने के उपकरणों के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जनपद सम्भल थाना बहजोई आपको बता दें कि थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा आधार सम्बन्धी उपकरणों को मोडिफाई कर व कूट रचित दस्तावेज तैयार कर आधार के मूल डेटाबेस में फर्जी व गैर कानूनी संसोधन करने वाले अन्तर्जनपदीय गिरोह का फिंगर प्रिन्ट बनाने वाला एक सदस्य अभियुक्त मनोज पुत्र गंगालाल निवासी ग्राम मण्डकौला थाना हथीन जिला पलवल हरियाणा मय फिंगर प्रिन्ट बनाने के उपकरणों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य से जब पूछताछ की गई तो उनके द्वारा यह बताया गया कि मैं व मेरे साथी मुकेश पुत्र बलधारी निवासी ग्राम टिकटा थाना बहजोई जिला सम्भल, रौनक पुत्र श्यामपाल निवासी निजामपुर जनपद बंदायू, कासिम पुत्र नाजिर हुसैन निवासी ग्राम बजीराबाद थाना तीमारपुर नई दिल्ली, आशीष पुत्र सुरेश निवासी अडौली थाना उझानी जनपद बंदायू, प्रियांशु तिवारी पुत्र सर्वेश तिवारी निवासी ग्राम गुरेही थाना सुरसा जिला हरदोई, धर्मेन्द्र पुत्र जवाहर सिंह निवासी ग्राम बैनीनंगला थाना उझानी जनपद बंदायू कूटरचित दस्तावेज व टेंपर्ड स्कैनिंग डिवाइसेज की सहायता से आधार धारकों के विवरण में अनाधिकृत रूप से मनचाहा परिवर्तन कर देते थे। इस परिवर्तन को करने में उन्हें आधार ऑपरेटर की फिंगरप्रिंट की आवश्यकता होती थी, जो कि मैं उन्हें सील बनाने वाले डिवाइस की सहायता से एक कृत्रिम फिंगरप्रिंट, ऑपरेटर का बनाकर देता था। उस कृत्रिम फिंगरप्रिंट की सहायता से मेरे साथी लोग आधार ऑपरेटर की आई डी में लॉगिन करके आधार के मूल डेटाबेस में परिवर्तन करते थे। इस तरह का अनाधिकृत परिवर्तन करने के लिए जो भी वह पैसा लेते थे उसमें से कुछ राशि मुझे देते थे।

अमरोहा जिले में वन महोत्सव पर पर्यावरण को दिया गया बढ़ावा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वन महोत्सव के दूसरे दिन कारमेल पब्लिक स्कूल गजरौला में चित्रकला प्रतियोगिता , पर्यावरण आधारित भाषण और बाल पौध भंडारा किया गया। त्रिवेणी का रोपण कर वृक्षों के महत्व पर चर्चा की गई। पौध बारात निकाल कर वृक्षारोपण का प्रचार प्रसार किया गया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दूसरा कार्यक्रम कताई मिल में शशि जैन अध्यक्ष नगरपालिका अमरोहा की गरिमामयी उपस्थिति वन महोत्सव उल्लासपूर्वक मनाया गया। वन विभाग धनौरा रेंज के द्वारा इस अवसर ढींगरा गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण कर मनाया। वहीं मध्य गंगा नहर नगर वन में वन महोत्सव का आयोजन प्रवीण अग्रवाल, अध्यक्ष नगरपालिका धनौरा द्वारा पौधा रोपित कर मनाया।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- बुधवार के दिन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास एवं सेनरा ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के स्थापना दिवस के अवसर पर सेनरा पब्लिक स्कूल के प्रांगण में संगोष्ठी एवं प्रमाण पत्र वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के अध्यक्ष पवन कुमार जैन, मुख्य वक्ता डॉ.वीरेंद्र कुमार तिवारी (क्षेत्रीय विषय संयोजन एवं प्रांत संयोजक), डॉ. हरेंद्र सिंह (प्रांत संरक्षक), रुचि बलूनी कत्थक विभाग अध्यक्षा , इप्सा नरूला, दीपचंद सैनी (शिक्षाविद), उमेश सेनरा (प्रबंध निदेशक), सीमा सेनरा (प्रधानाचार्या) आदि ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया ' संगोष्ठी का कुशल संचालन शिक्षाविद एवं उप प्रधानाचार्य विजेंद्र त्यागी ने करते हुए कहा कि भारतवर्ष के प्रत्येक क्षेत्र में भारतीयता का समावेश अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए संस्कृति से जुड़ाव परमावश्यक है ' प्रबंध निदेशक एवं प्रांत विषय संयोजक आत्मनिर्भर भारत उमेश सेनरा जी ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के इतिहास एवं कार्यों के विषय में सभी को अवगत कराया कथक विभाग अध्यक्षा, रुचि बलूनी जी ने कहा कि हमारी संस्कृति से विदेशी भी प्रभावित होकर हमारे देश में आकर कथक सीखते हैं तथा अपने देश जाकर उसका गर्व के साथ प्रचार प्रचार भी करते हैं ' कथक शिक्षिका एवं कलाकार इप्सा नरूला ने छात्र-छात्राओं को कथक का निरंतर अभ्यास करते रहने की सलाह दी ' साथ ही अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की सलाह दी प्रांत संरक्षक प्रोफेसर हरेंद्र सिंह जी समस्त विश्व को अपना परिवार बताते हुए कहा कि अपनी पौराणिक संस्कृति के उत्थान हेतु हमें एकजुटता से कार्य करना चाहिए मुख्य वक्ता डॉ वीरेंद्र तिवारी जी ने कहा कि शिक्षा व समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए तथा अपने से बड़ों का सम्मान करना चाहिए कार्यक्रम के अध्यक्ष पवन कुमार जैन जी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में विशेष योगदान देते हैं साथ ही सभी छात्र-छात्राओं को मोबाइल के अधिक प्रयोग न करने की सलाह दी दीपचंद सैनी जी ने सभी आगंतुकों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति एवं संस्कृति मानव कल्याण में विकास के लिए सर्वोपरि है इस अवसर पर स्कूल के छात्र छात्राएं, अभिभावक गण एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे

वैश्य एकता मंच ने किया डॉक्टरों का सम्मान

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- भारत सरकार ने सन 1991 में जुलाई माह के प्रथम दिवस को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में घोषित किया। यह दिन प्रसिद्ध चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती का प्रतीक है उक्त के क्रम में वैश्य एकता मंच,चन्दौसी सम्भल द्वारा नगर के चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वैश्य एकता मंच, चंदौसी के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय ने कहा कि चिकित्सक समाज के अभिन्न अंग हैं। इनके बिना स्वस्थ समाज की कल्पना नहीं की जा सकतीं। इसी दौरान सम्मानित करते हुए विधि सलाहकार एड प्रवीण गुप्ता ने कहा कि कोरोना के दौरान नगर के चिकित्सकों द्वारा की गई सेवा अविस्मरिणीय है। आज का सम्मान एक सूचक मात्र है जिससे एक अच्छा एवं सच्चा संदेश समाज को मिले। इस अवसर पर नगर के चिकित्सक डा श्याम गोआनी सक्सेना, डॉ शशांक चौधरी, डॉ मोहित बंसल, डॉ पयोध चौधरी, को पटका पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस दौरान वैश्य एकता मंच के संरक्षक रोमिल वार्ष्णेय विद्धु, महामंत्री आकाश वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष दीपेश सेठ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत वार्ष्णेय, उपाध्यक्ष मयंक वार्ष्णेय, मीडिया प्रभारी प्रथम वार्ष्णेय, अभिनव वार्ष्णेय, अमर वार्ष्णेय आदि लोगो का विशेष सहयोग रहा।

रेल सचिव की गिरफ्तारी के आदेश, रेल महकमे में हड़कंप

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- भारत सरकार के रेल सचिव की गिरफ्तारी के आदेश दिए गए है। देरी से चल रही ट्रेन के संबंध में रेलवे ने गलत जानकारी दी। 14 घंटे देरी से चल रही ट्रेन टिकट की धनराशि वापस भी नहीं की। यात्री को ट्रेन के स्थान पर हवाई मार्ग से दिल्ली आना पड़ा। परेशान यात्री ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद योजित किया परिवाद निर्णीत हुआ लेकिन आदेश का पालन नहीं हुआ। जिस पर जिला उपभोक्ता आयोग ने भारत सरकार के रेल सचिव, स्टेशन मास्टर मनमाड़ महाराष्ट्र के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी कर गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। अधिवक्ता पारस वार्ष्णेय के अनुसार संभल सरायतरीन के बाजार गंज निवासी परमानंद वार्ष्णेय पुत्र ओमप्रकाश ने दिनांक 14 सितंबर 2023 को ऑनलाइन एक टिकट खरीदी। जिसमें उन्हें अपने परिवार के साथ दिनांक 3 जनवरी 2024 को मनमाड़ से मथुरा जाना था। मनमाड़ से ट्रेन को मध्यरात्रि 12 बजकर 10 मिनट पर चलना था। यात्री ट्रेन पकड़ने के लिए दिनांक 2 जनवरी 2024 को रात्रि 10 बजे मनमाड़ रेलवे स्टेशन पर आ गया। लेकिन 3 घंटे के इंतजार के बाद ट्रेन नहीं आई । रेलवे द्वारा कोई सूचना भी नहीं दी गई। यात्री को रात भर ट्रेन का इंतजार करना पड़ा। दिनांक 3 जनवरी को प्रातः 7 बजकर 50 मिनट पर बताया गया गया कि ट्रेन आने वाली है लेकिन ट्रेन नहीं आई। जिस पर यात्री द्वारा ट्रेन टिकट कैंसिल वापस करने का अनुरोध किया लेकिन रेलवे की ओर से टिकट की धनराशि वापस नहीं की गई। जिससे यात्री को हवाई मार्ग से वापस दिल्ली आना पड़ा यात्री ने रेलवे की लापरवाही को जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष उठाया ' जिसमें आयोग ने 29 अगस्त 2024 को रेलवे मंडल वाणिज्य प्रबंधक भुसावल को आदेश दिया था कि वह टिकट की धनराशि 2257 रुपए व हवाई जहाज किराया राशि रुपए 18,912 कुल धनराशि 21169 रुपए दो माह के अंदर वापस करे साथ ही रेल सचिव व स्टेशन मास्टर मनमाड़ को 5 हजार वाद व्यय व 5 हजार आर्थिक हानि अदा करने के भी आदेश दिए। लेकिन रेलवे व उसके अधिकारियों ने उपभोक्ता आयोग के आदेश का पालन नहीं किया। अधिवक्ता पारस वार्ष्णेय ने बताया कि जिला आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए भारत सरकार के रेल सचिव, स्टेशन मास्टर मनमाड़ व वाणिज्य प्रबंधक भुसावल के विरुद्ध वारंट जारी कर गिरफ्तारी के आदेश दे दिए।

भाकियू शंकर ने किसान समस्याओं को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

6 जुलाई तक समस्याओं के निस्तारण न होने पर 7 जुलाई को कलेक्ट्रेट पर आंदोलन की चेतावनी

अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में बुद्धवार को संगठन के कार्यकताओं ने किसान समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपते हुए सभी समस्याओं के निस्तारण की मांग की है। वहीं 6 जुलाई तक सभी समस्याओं का समाधान नहीं किये जाने पर भाकियू शंकर संगठन के द्वारा आगामी 7 जुलाई को अमरोहा कलेक्ट्रेट पर धरना- प्रदर्शन व आंदोलन करने की चेतावनी दी है। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि जनपद भर में इस समय चोरों व आदमखोर तेंदुए का आतंक मचा हुआ है। रजबपुर थाना क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गावों में चोरों का आतंक है, चोरों द्वारा कई गांवों में लाखों रुपयों की चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है, जिस से ग्रामीण दहशत में जीने को मजबूर हैं, किसानों द्वारा रात - रात भर जागकर पहरेदारी की जा रही है । इन सभी चोरियों का खुलासा करते हुए इस तरह की घटनाओं पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। किसानों को केसीसी के लिएं खाता लाइफटाइम के लिएं दिया जाए, जिस बैंक में मिनिमम ब्याज दर की सुविधा हो किसान अपना केसीसी खाता उस बैंक में पोर्ट करा सके। सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी है लेकिन सभी बैंकों ने अभी इसे लागू नहीं किया है, इसका लाभ सभी किसानों को दिया जाना चाहिए, साथ ही तहसील स्तर पर भूमि बंधक या मुक्त करने की प्रक्रिया को सरल किया जाए जिस से किसानों को तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें।किसानों को यूरिया व डीएपी के साथ में जबरन तरीके से नैनों यूरिया दिया जा रहा है इस पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए।सरकार को इन सभी फसलों व उत्पादों को उचित मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था करनी चाहिये। विधुत विभाग द्वारा किसानों को 10 घंटे निर्बाध विधुत आपूर्ति देनी चाहिए जिस से फसलों की फसलों की सिंचाई हो सके।जनपद के समुचित विकास के लिएं अमरोहा विकास प्राधिकरण का गठन किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन विधुत बिलों में बढ़ोत्तरी करने जा रही है जिसका हमारा संगठन भारी विरोध करता है, आधे से अधिक विधुत मीटरों के द्वारा गलत बिल निकाले जा रहे हैं जिस से किसान को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है, इसका

तत्काल स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए। गंगा धाम तिगरी में विधुत शवदाह गृह के निर्माण के साथ तिगरी से ब्रजघाट तक गंगा रिवर फ्रंट बनाते हुए इसे पर्यटक स्थल घोषित किया जाए। गजरौला में औद्योगिक इकाइयों द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण पर रोकथाम की जानी चाहिए।मध्य गंगा नहर फेस 2 का कार्य पूर्ण कराते हुए इसमें पानी छोड़ा जाए, बागों में खतरनाक पेस्टीसाइड का इस्तेमाल किया जा रहा है जिस से मानव जीवन के साथ ही जीव जंतुओं पर गंभीर असर हो रहा है, इस पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। सभी रासायनिक उर्वरकों व पेस्टीसाइड का सेम्पलिंग कराया जाए, इफको जैसी संस्था में अभी राजस्थान में छापा पड़ने पर वहाँ बनने वाले सभी उर्वरक नकली पाए गए, वहीं हापुड़ जनपद में भी 10 नामी गिरामी कंपनियों के 40 हजार से अधिक खाली बोरे बरामद किए गए हैं, जिनमें नकली खाद भरकर प्रदेश भर में सप्लाई किये जा रहे हैं, इसमें मामले में संलिप्त सभी दोषियों पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इफको के उत्पादों पर देश का किसान भरोसा करता था लेकिन अब इस खुलासे से किसान हैरान व परेशान है। ये नकली उर्वरक किसान की भूमि को बंजर बनाने का काम कर रहे हैं, आज से 3 वर्ष पूर्व भी हमारे संगठन ने इसकी सेम्पलिंग कराई थी जिसमें इसके सभी नमूने फेल पाए गए थे, इस सब पर रोक लगाई जानी चाहिए।आधार कार्ड संसोधन केंद्रों पर आम जनता से अवैध उगाही को बंद कराया जाए,किसानों की खतौनी में नाम पिता का नाम अंश में हुई कमियों के कारण फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है, अभियान चलाकर इसे सही कराया जाए। रजिस्ट्रार कार्यालय नवनिर्माण तहसील भवन गुलड़िया में संचालित किया जाए। वेव शुगर मिल धनौरा द्वारा किसानों व अपने कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है,लगभग 1 माह का किसानों का 1 अरब रुपया शुगर मिल दबाए बैठी है, इसके साथ ही इस चीनी मिल में लगभग 105 गन्ना क्रय केंद्र पर 105 चौकीदार व 150 तौल बाबू हैं,जिनको 5 हजार चौकीदार व 12 से 15 हजार तौल बाबू को वेतनमान दिया जाता है,जिस कारण वह किसानों से एक पर्ची पर 60 किलो गन्ना काटते हैं , संगठन मांग करता है कि उक्त कर्मियों को वेजबोर्ड में शामिल करते हुए उनका वेतन बढ़ाया जाए व किसानों से गन्ने पर कौ कटौती न की जाए। किसान हित में जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन किया जाए। अगर इन अभी समस्याओं का आगामी 6 जुलाई तक निस्तारण नहीं किया जाता है तो संगठन के द्वारा 7 जुलाई (सोमवार) को अमरोहा कलेक्ट्रेट का घेराव करते हुए विशाल धरना-प्रदर्शन व आंदोलन किया जाएगा, जिसमें सम्बंधित विभागों के अधिकारियों का पहुंचना आवश्यक है।जिसमें मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा, जिला गन्ना अधिकारी,समस्त मुख्य प्रबंधक चीनी मिल,एसपी तोमर यूनिट हेड वेव शुगर मिल धनौरा,अर्पण आनंद जी वेव ग्रुप,परियोजना अधिकारी अमरोहा, अधीक्षण अभियंता विधुत वितरण मंडल अमरोहा, जिला वन अधिकारी,मुख्य अभियंता मध्य गंगा नहर फेस 2,प्रदूषण अधिकारी बिजनौर, डीडीसी चकबंदी अमरोहा, एआर कोऑपरेटिव अमरोहा, जिला आपूर्ति अधिकारी अमरोहा, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी अमरोहा, मुख्य अभियंता जल निगम,जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, कृषि उपनिदेशक,जिला परिवहन अधिकारी अमरोहा से संवाद किया जाना नितांत आवश्यक है। समय रहते उक्त अधिकारीगण पंचायत स्थल पर नहीं पहुँचते हैं तो संगठन आमरण अनशन व प्रदर्शन करने को मजबूर होगा, जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी। इस दौरान चौधरी धर्मवीर सिंह,जगत सिंह चौहान, विक्रम पंवार,अंकित चौधरी,राकेश रतनपुर, हरी सिंह प्रधान जी, ललित कुमार, मास्टर नौबहार सिंह, राजपाल सिंह,श्रीपाल सिंह,गजराम सिंह, जयविन्दर सिंह, राजवीर सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय अधिवक्ता कल्याण संघ ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का किया स्वागत

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:-चंदौसी बार एसोसिएशन चंदौसी के सभागार में अखिल भारतीय अधिवक्ता कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मृदुल कुमार यादव एड 0 जी द्वारा संघ के प्रदेश अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) मनोनीत किए गए शुभम प्रताप सक्सेना एड. का स्वागत के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवनीत चौधरी एड .को जिला प्रभारी अधिवक्ता कल्याण संघ के रूप शुभम प्रताप सक्सेना एड0 द्वारा घोषित किया गया। नवनिर्वाचित मनोनीत हुए पदाधिकारियों का माला पहना कर भव्य स्वागत किया गया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विनोद कुमार सिंह एड एवं संचालन संघ के जिला अध्यक्ष दयासिंधु यादव एड. एवं मुख्य अतिथि के रूप में अविनेश सक्सेना एड. चंदौसी बार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह एड. संगठन के जिला संरक्षक श्री प्रेमपाल यादव एड., जिला अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) वीरेश यादव एड०, मुनीश यादव एड०, अशोक यादव आदि ने उपस्थित सभी के समक्ष अपने विचार रखे। इस अवसर पर अखिल भारतीय अधिवक्ता कल्याण संघ के सम्मानित सदस्य गण और पदाधिकारी तथा सदस्य मौजूद रहे।

अधिवक्ता की एसी को बदलें या उसका रुपए वापस करे- उपभोक्ता आयोग

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- चंदौसी निवासी 70 वर्षीय अधिवक्ता ने अपनी लड़ाई जीत ली है। आयोग ने एसी को बदलकर नई ऐसी अथवा उसका क्रय मूल्य 7% वार्षिक ब्याज सहित अदा करने का आदेश दिया है। साथ ही 15000 का जुमार्ना भी लगाया है। चंदौसी निवासी अधिवक्ता विष्णु मिश्रा एडवोकेट ने हिताची इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित एक एयर कंडीशनर एसी चंदौसी स्थित शिवहरि इलेक्ट्रॉनिक से 23 जुलाई 2018 को क्रय की थी। एसी में शुरू से ही उसमें निर्माण संबंधी दोष व्याप्त थे जिसकी शिकायत कई बार उन्होंने दुकानदार और कंपनी से की जो

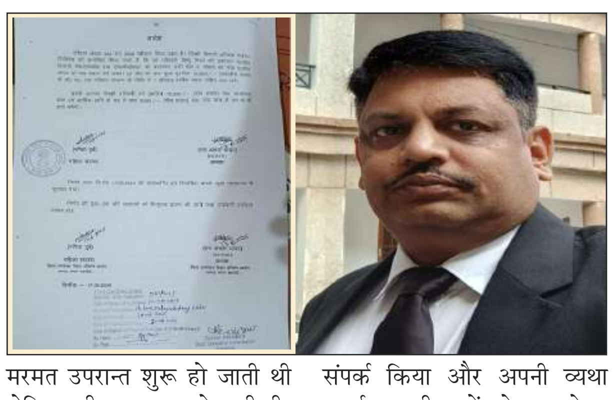

मरमत उपरान्त शुरू हो जाती थी लेकिन एसी पुनः खराब हो जाती थी। बार-बार शिकायत आने पर जब शिकायत दूर नहीं हुई तो उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया और अपनी व्यथा बताई। उनकी बातों को लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट द्वारा आयोग में रखा गया। आयोग ने दुकानदार और हिताची कंपनी को तलब किया। तलब करने के उपरांत सभी ने अपने पक्ष रखें आयोग ने दोनों पक्षों को सुना और सुनने की उपरांत विपक्षी हिताची इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आदेशित किया कि वह परिवादी विष्णु मिश्रा को प्रश्नगत ए सी हिताची मॉडल नंबर सीएसडी 318 को बदलकर उसी मेक व मॉडल का नया ए सी दो माह में प्रदान करें अथवा ए सी का क्रय मूल्य मुबलिग 42900 उस पर परिवाद संस्थान की तिथि से 7% वार्षिक ब्याज सहित अदा करें इसके अलावा परिवादी को मुबलिग 10000 रुपए मानसिक कस्ट एवं आर्थिक हानि के मद में तथा 5000 रुपए बाद व्यय के मद में भी अदा करेंगे।

जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पीएम श्री विद्यालय अतरासी का किया निरीक्षण

प्रत्येक बुधवार को होने वाली स्कूल प्रबंधन समिति(एस.एम.सी) की बैठक में जाएं अधिकारी:- जिलाधिकारी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- विकासखण्ड पवांसा के पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय अतरासी का जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आधार मशीन को लेकर जानकारी प्राप्त की तथा आधार मशीनों के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन विद्यालयों में अध्यापक अध्यापन कार्य नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध कार्यवाही संज्ञान में लायी जाए । पीएम श्री विद्यालय के अध्यापक की ड्रेस को लेकर जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अध्यापक अपनी निर्धारित ड्रेस में आना सुनिश्चित करें। पढाई की गुणवत्ता को सुधारने को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने स्कूल प्रबंधन समिति (एस एम सी)की बैठक को लेकर संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक बुधवार को प्रत्येक अधिकारी एस एम सी की बैठक में जाएं तथा एस एम सी की बैठक में क्या चल रहा है तथा एस एम सी हमारे लिए कितना सहयोगी हो सकती है तथा एस एम सी के माध्यम से शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार को लेकर भी चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विद्यालयों के युग्मन को लेकर भी चर्चा की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा द्वारा जनपद में युग्मित किये जा रहे प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रस्तावों को मौके पर यथा स्थिति जांचने के लिए प्राथमिक विद्यालय किसौली प्रथम का निरीक्षण किया। संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, खंड विकास अधिकारी पवांसा अमर जीत सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी मुंशी लाल पटेल सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

घरेलू हिंसा को रोकने, दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार बुधवार को ब्लॉक , जोया के ग्राम शेयोनोली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया । साथ ही "बेटी बचाओं बेटी पढाओं" योजना के अंतर्गत

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाएं जैसे निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना बाल सेवा योजना सामान्य के बारे में भी विस्तृत रूप से बताया गया। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जिसमे योजना की बढ़ाई गई। धनराशि 25000 के बारे मे जानकारी दी गई। वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 102, 108, 1076, 1930 की जानकारी भी प्रदान की गई। घरेलू हिंसा को रोकने, दहेज प्रथा को समाप्त करने, बाल विवाह की कुप्रथा को रोकने , बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया।

अमर ज्योति कंपनी के निदेशकों की गिरफ्तारी पर अब 21 जुलाई तक रोक, हाईकोर्ट से मिली राहत

बदायूं: बदायूं में अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड के निदेशक शशिकांत मौर्य और उसके भाई सूर्यकांत मौर्य के खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी के मामले में बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मजबूत पैरवी न होने की वजह से कोर्ट ने दोनों की गिरफ्तारी पर रोक तिथि 21 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। शहर के मीरा सराय स्थित अमर ज्योति यूनिवर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक शशिकांत और सूर्यकांत, मैनेजर अमित सिंह व अन्य के खिलाफ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज है। इस मामले में पहली एफआईआर असद अहमद ने दर्ज कराई थी। इस मामले में कोर्ट ने दोनों निदेशकों की गिरफ्तारी पर दो जुलाई तक रोक लगा दी थी। बुधवार को मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में हुई तो वादी असद के अधिवक्ता की कमजोर पैरवी के चलते कोर्ट ने 21 जुलाई तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। इसके अलावा जिला बार एसोसिएशन के महासचिव अरविंद पाल सिंह परमार और पवन गुप्ता की ओर से दर्ज एफआईआर में कोर्ट ने अगली सुनवाई 10 जुलाई लगाई है। चौथे दिन भी जारी रहा धरना निदेशकों की गिरफ्तारी के लिए बार एसोसिएशन के बैनर तले पीड़ितों का मालवीय आवास पर लगातार चौथे दिन भी धरना जारी रहा। पीड़ितों की मांग है कि निदेशकों की गिरफ्तारी हो और उनकी जब्त कर बिक्री की जाए, इसके बाद इन्हें वापस किया जाए। 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित सैकड़ों निवेशकों के करोड़ों रुपये डकारने के आरोपी बरेली के पूर्व भाजपा नेता सूर्यकांत मौर्य और उसके भाई शशिकांत पर कानून का शिकंजा और कस गया है।

बदलते मौसम में आपदाओं से बचने के लिए जिला प्रशासन ने बचाव के दिए उपाय

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुये कहा कि मौसम विभाग द्वारा अगले कुछ दिनों में जनपद अमरोहा एवं आस-पास के क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा, आँधी तूफान एवं आकाशीय बिजली की संभावना जताई गई है। ऐसे में भारी बारिश, जलभराव, वज्रपात व संभावित बाढ़ जैसी आपदाओं से जनसामान्य को सतर्क रहने एवं आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने की अपील की जाती है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अपील करते हुये कहा कि अत्यधिक वर्षा, ऑधी तूफान, आकाशीय बिजली एवं आंधी-तूफान जैसी आपदाएं अचानक आती हैं, लेकिन सही जानकारी, पूर्व तैयारी और सतर्कता के माध्यम से जान-माल की रक्षा की जा सकती है। सभी नागरिक जागरूक रहें तथा दामिनी ऐप एवं सचेत एप अवश्य डाउनलोड करे और किसी भी आपात स्थिति में जिला प्रशासन से संपर्क करें। दामिनी मोबाइल ऐप के अन्तर्गत वज्रपात की सटीक चेतावनी 40 किलोमीटर के दायरे में 15 से 30 मिनट पूर्व देता है। उपयोगकर्ता को रीयल टाइम में चेतावनी, सुरक्षा उपाय, और सुरक्षित स्थानों की जानकारी मिलती है। सचेत मोबाइल ऐप भारत सरकार द्वारा विकसित यह ऐप मौसम अलर्ट, बाढ़, तूफान, भूकंप आदि आपदाओं की पूर्व चेतावनी देता है। इसमें भाषा विकल्प, लोकेशन बेस्ड अलर्ट, और तत्काल सरकारी दिशा-निर्देश मिलते हैं।दोनों ऐप गूगल प्ले स्टोर व एपल ऐप स्टोर पर निशुल्क उपलब्ध हैं। ऐप डाउनलोड कर लोकेशन ऑन करके रखें, ताकि आपको सटीक चेतावनी प्राप्त हो सके। उन्होने बताया कि भारी बारिश के दौरान आप मौसम संबंधी सरकारी चेतावनियों पर ध्यान दें और अलर्ट के अनुसार कार्य करें, अपने घर की छत, नाली एवं जल निकासी की व्यवस्था को साफ रखें, बिजली के उपकरणों को सूखे व सुरक्षित स्थान पर रखें, जरूरी दस्तावेज, दवा, टॉर्च, पीने का पानी और सूखा खाद्य पदार्थ सुरक्षित स्थान पर रखें,

जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, बच्चों व बुजुर्गों को अकेले बाहर न निकलने दें और नजदीकी उच्च स्थान व राहत केंद्रों की जानकारी रखें। भारी बारिश के दौरान आप खुले में न जाए, विशेषकर खेतों, तालाबों और नालों के पास नहीं जाएं, बहते पानी या जलभराव में चलने का प्रयास न करें, बिजली के खंभों या टूटे तारों को न छुएं, अफवाहों पर विश्वास न करें, केवल सरकारी सूचना पर भरोसा करें। आकाशीय बिजली से बचाव हेतु जोरदार गर्जना सुनते ही सतर्क हो जाएं, घर के अंदर या किसी पक्के आश्रय में चले जाएं, यदि खुले में है तो किसी पक्की इमारत या चारों ओर बंद वाहन में शरण लें, मोबाइल पर दामिनी ऐप डाउनलोड करें, जो आकाशीय बिजली की सटीक लोकेशन और चेतावनी देता है, खेतों में काम कर रहे किसान तुरन्त काम बन्द कर सूखे व सुरक्षित स्थान पर चले जाएं, अगर आप कहीं फंस जाएं तो पैर एक साथ मिलाकर नीचे झुक जाए, ताकि जमीन के साथ संपर्क कम से कम हो, घर के सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें और मुख्य स्विच ऑफ कर दें। बिजली की गर्जना के समय खुले मैदान, खेत, तालाब, या नदियों में न जाएं, पेड़ों के नीचे खड़े न हो, आकाशीय बिजली अक्सर ऊंची वस्तुओं पर गिरती है, लोहे या धातु के वस्त्र, छाता, मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर, साइकिल, मोबाइल का प्रयोग न करें, बिजली के खंभों, ट्रांसफॉर्मर या खुले तारों के पास न रहें, घर में भी बिजली चमकते समय टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे उपकरणों का प्रयोग न करें। आंधी-तूफान से पहले (पूर्व तैयारी) घर की छत पर रखे हल्के सामान (टिन, प्लास्टिक, गमले, टेंट आदि) को हटाकर सुरक्षित स्थान पर रखें, पुराने व जर्जर पेड़, खंभे या ढांचे से दूर रहें या उन्हें मजबूत करें, खिडकियां, दरवाजे और शटर आदि की मरम्मत कराए या मजबूती से बंद करें, अपने परिवार को सुरक्षित स्थान पर रहने और आपातकालीन स्थिति में संपर्क करने की योजना बनाएं। आंधी-तूफान के दौरान मजबूत घर या इमारत में शरण लें, बाहर न निकलें, बिजली के उपकरण, गैस, मुख्य स्विच को बंद कर दें, यदि वाहन चला रहे हों, तो सुरक्षित स्थान पर रोक दें और वाहन के अंदर ही रहे। आंधी-तूफान के दौरान पालतू जानवरों को भी सुरक्षित स्थान पर रखें, पेडों, बिजली के खंभों, होर्डिंग्स आदि के नीचे न खड़े हों, लोहे के सामान या छतरी का प्रयोग न करें। आंधी-तूफान के बाद मोबाइल फोन का प्रयोग खुले में न करें। घर से बाहर निकलने से पहले आसपास के खतरों (गिरे पेड़, त्तार आदि) की जांच करें, घायल व्यक्ति की स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में सूचना दें, टूटे खंभे, त्तार या बिजली आपूर्ति की सूचना बिजली विभाग को दें।

उन्होने आपातकाल के दृष्टिगत महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर जैसे जिला आपदा नियंत्रण कक्ष - 1077/5922-252100, फायर स्टेशन-101, स्वास्थ्य विभाग-102/108, पुलिस सहायता-112 पर सम्पर्क कर सकते है।

दिल्ली पुलिस ने भेष बदलकर जामताड़ा में मारा छापा, क्रेडिट कार्ड की केवाईसी के नाम पर ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

दक्षिणी दिल्ली: दक्षिणी पश्चिमी जिले की साइबर थाना पुलिस ने लोगों को ठगने वाले तीन जालसाजों को झारखंड के जामताड़ा से गिरफ्तार किया है। आरोपित क्रेडिट कार्ड की केवाईसी अपडेट कराने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर रहे थे। पुलिस ने भेष बदलकर रेकी कर आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि जामताड़ा निवासी मुजफ्फर जिलानी, आफताब अंसारी और मोहम्मद इकबाल रजा को पकड़ा है। इनसे पांच मोबाइल, छह सिम कार्ड और एक डेबिट कार्ड बरामद किया है। पालम निवासी केसी बर्थवाल ने दर्ज कराई थी शिकायत पालम निवासी केसी बर्थवाल ने साइबर थाने में शिकायत दी थी कि पांच अप्रैल को उनके

मोबाइल पर एक नंबर से काल आई। काल करने वाले ने खुद को एसबीआइ क्रेडिट कार्ड शाखा मुंबई मुख्यालय का अधिकारी बताया। आरोपित ने पीड़ित से कहा कि उनके कार्ड से 588 डेबिट हो गए हैं। फिर पीड़ित से कहा कि उन्हें अपने कार्ड की केवाईसी अपडेट करानी होगी। ऐसा न करने पर कार्ड को ब्लाक कर दिया जाएगा। एसबीआई की आर्थिक वेबसाइट जैसा लिंक भेजा गया था जालसाज ने पीड़ित के मोबाइल पर एक लिंक भेज दिया। इस पर क्लिक करने से केवाईसी पूरी करने की बात कही। इस तरह आरोपित ने पीड़ित से उनकी बैंकिंग जानकारी ले ली और उनके कार्ड व बैंक खाते से करीब 10.80 लाख

दिल्ली पुलिस ने जामताड़ा से तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया जो क्रेडिट कार्ड केवाईसी अपडेट के नाम पर लोगों को धोखा दे रहे थे। पुलिस ने स्थानीय वेशभूषा में छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा।

रुपये की धोखाधड़ी कर ली। इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में मामले की जांच शुरू की। पता चला कि ठगों ने पीड़ित के कार्ड नंबर, सीवीवी, समाप्ति तिथि और ओटीपी लेने के लिए एसबीआई की आधिकारिक वेबसाइट जैसा एक फर्जी लिंक भेजा था। तकनीकी जांच से पता चला कि धोखाधड़ी झारखंड के जामताड़ा से की गई। पुलिस ने दो दिन तक भेष बदलकर की रेकी इसके बाद पुलिस टीम दिल्ली से जामताड़ा पहुंची। यहां पर पुलिस ने आरोपितों तक पहुंचने के लिए स्थानीय वेशभूषा में रेकी की। पुलिस ने दो दिन तक रेकी करने के बाद आरोपित अमुजफ्फर जिलानी और आफताब अंसारी को गिरफ्तार किया। इन दोनों ने बताया कि वह मोहम्मद इकबाल रजा के साथ मिलकर ठगी कर रहे थे। फिर दोनों आरोपितों को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया। यहां पर पुलिस रिमांड पर लेकर उनकी निशानदेही पर जामताड़ा में फिर से छापे मारे गए और इकबाल रजा को भी गिरफ्तार कर किया। आफताब अंसारी है गिरोह का मास्टरमाइंड आफताब अंसारी सिंडिकेट का मास्टरमाइंड है। जबकि मुजफ्फर जिलानी गेमिंग वालेट में ठगी के पैसे ट्रांसफर करता था। इकबाल रजा इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से दूसरे खातों में ट्रांसफर करता था। इसी ने पीड़ित के मोबाइल का एक्सेस लेने के लिए उसके मोबाइल पर एपीके फाइल भेजी थी। पीड़ितों के पास फिशिंग कॉल करते थे जालसाज पुलिस पूछताछ में पता चला कि जालसाज फिशिंग काल करते थे, ताकि उनका नंबर ट्रेस न हो सके। फिर पीड़ितों को एपीके फाइल भेजकर उस पर क्लिक कराकर उनके मोबाइल पर एक्सेस ले लेते थे। फिर पीड़ितों के नंबर पर आने वाले ओटीपी के आधार पर खाते व कार्ड से पैसे निकाल लेते थे। ये जालसाज ठगी के पैसे को गेमिंग एप वालेट में ट्रांसफर कर लेते थे। जालसाज फर्जी सिमकार्ड से लोगों के पास काल करते थे।

क्या दिल्ली में उम्र पूरी कर चुके वाहनों पर सख्ती बढ़ाएगी नए वाहनों की मांग? जानिए क्या सोचते हैं राजधानी के कार डीलर

नई दिल्ली: उम्र पूरी कर चुके वाहनों के जब्ती अभियान से दिल्ली के कार डीलर्स काफी आशांवित हैं। उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा अभियान सफल होता है तो आने वाले कुछ माह कारों व दोपहिया वाहनों की बिक्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। ऐसे में कुछ दिन बाद डीलर्स की ओर से वाहन बिक्री से जुड़े ऑफरों की पेशकश शुरू कर दी जाए तो ताज्जुब नहीं होना चाहिए। एक कार डीलर्स के अनुसार, वे लोग पूरे अभियान को काफी करीब से देख रहे हैं। क्योंकि, यह वाहनों की मांग में तेजी लाने वाला साबित होगा। 20 से 30 प्रतिशत का भी उछाल आया तो ये बड़ी तेजी होगी पुरानी कार जब्त होने की स्थिति में लोग नई कारें लेंगे। सभी लेंगे, ऐसा नहीं है, लेकिन उसमें से 20-30 प्रतिशत लोगों ने भी वाहन बाजार का रुख किया तो यह मांग में बड़ी तेजी लाएगा। यह तेजी प्रत्येक माह 15 से 20 प्रतिशत तक की हो सकती है। अभियान का असर, दीपावली की बिक्री पर भी दिखेगा। दिल्ली में प्रत्येक माह औसतन 14 हजार कारें तथा 46 हजार दो पहिया वाहनों की बिक्री होती है। उम्र पूरी कर चुके 62 लाख दिल्ली में चल रहे यह इसलिए क्योंकि अभी भी दिल्ली की सड़कों पर अवधि पूरी कर चुके (ईओएल) 62 लाख दोपहिया व चार पहिया वाहन संचालित हो रहे हैं। इसमें से 41 लाख दो पहिया व बाकि कारें हैं। परिवहन विभाग ने पेट्रोल पंपों पर लगवाए अपने सिस्टम से अकेले जून माह में 1.36 ईओएल वाहनों की पहचान की है। मंगलवार से शुरू अभियान के माध्यम से ऐसे वाहनों की धरपकड़ शुरू हो गई है। सरकार को राजस्व व बीमा क्षेत्र में भी आएगा उछाल फेडरेशन आफ आटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फेडा) के प्रवक्ता सहर्ष दमानी के अनुसार, दीपावली के दौरान कारों व दोपहिया वाहनों की बिक्री में मांग में 15 से 20 प्रतिशत की तेजी रहती है।

दिल्ली सरकार के दो मंत्रियों ने वाहनों पर लगे प्रतिबंध के लिए केजरीवाल सरकार की नाकामी को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली: दिल्ली सचिवालय में बुधवार को परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने संयुक्त प्रेसवार्ता की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने राजधानी दिल्ली में फिटनेस के आधार पर वाहनों पर लगे प्रतिबंध और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर सरकार का पक्ष स्पष्ट किया। डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि दिल्ली में वाहनों को फिटनेस के आधार पर चलाने की अनुमति देने के मामले में अदालत ने जो सख्त कदम उठाया है, उसके लिए केजरीवाल सरकार की नाकामी जिम्मेदार है। कहा- केजरीवाल सरकार ने दिल्ली का पक्ष मजबूती से नहीं रखा उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने अदालत और अन्य संबंधित मंचों पर

दिल्ली का पक्ष मजबूती से नहीं रखा, जिससे मजबूर होकर अदालत को दिल्ली में वाहनों पर रोक लगाने का आदेश देना पड़ा। पंकज सिंह ने कहा कि दिल्ली की जनता आज जो प्रताड़ना झेल रही है, उसके लिए पूरी तरह से केजरीवाल सरकार की लापरवाही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर केवल दिखावा किया और धरातल पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए। इसका नतीजा यह हुआ कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती गई और अदालत को सख्त निर्णय लेना पड़ा। सरकार प्रदूषण नियंत्रण को लेकर हैं गंभीरः सिरसा पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि वर्तमान सरकार प्रदूषण नियंत्रण को लेकर पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि हम अदालत को भी बताएंगे कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग में भी सरकार अपना पक्ष रखेगी और बताएगी कि केवल प्रतिबंध लगाना ही समाधान नहीं है, बल्कि समग्र नीति और ठोस कार्यवाही जरूरी है। दोनों मंत्रियों ने भरोसा दिलाया कि दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है और जनता को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्यकालीन शीश महल जनता के लिए खुला, पुनरुद्धार के बाद दिल्ली की इस विरासत को मिला नया जीवन

बाहरी दिल्ली: शालीमार बाग स्थित मध्यकालीन शीश महल को पुनरुद्धार के बाद बुधवार को आम जनता के लिए खोल दिया गया। इस अवसर पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना, सीएम रेखा गुप्ता और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संयुक्त रूप से शीश महल का उद्घाटन किया। विकास भी, विरासत भी का प्रेरक उदाहरण है शीश महलः रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि शीश महल का संरक्षण और पुनरुद्धार उपराज्यपाल के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास भी, विरासत भी अभियान की भावना को साकार करने वाला

प्रेरक उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए लगातार प्रयासरत है। सरकार का लक्ष्य है कि ऐतिहासिक स्थलों को न सिर्फ संरक्षित किया जाए, बल्कि उन्हें जनसुलभ और आकर्षक भी बनाया जाए, ताकि लोग अपनी विरासत से जुड़ सकें। इतिहास के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदमः शेखावत केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि शीश महल का पुनरुद्धार भारतीय संस्कृति और इतिहास के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत से सीखने और जुड़ने का अवसर मिलेगा। शीश महल को उसकी भव्यता लौटाई गईः वीके सक्सेना उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सभी संबंधित विभागों और विशेषज्ञों को धन्यवाद दिया, जिनके सहयोग से शीश महल को उसकी पुरानी भव्यता में लौटाया जा सका। इस पहल से दिल्ली के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के साथ-साथ देश-विदेश के पर्यटक भी इस ऐतिहासिक धरोहर का आनंद उठा सकेंगे।

गंदे पानी की आपूर्ति पर हाई कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड को लगाई फटकार, निरीक्षण कर साफ पानी मुहैया कराने का आदेश

नई दिल्ली : पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में दूषित पानी की आपूर्ति को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को फटकार लगाई है। हाई कोर्ट की पीठ ने जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रभावित इलाकों का तुरंत निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी निवासियों को शुद्ध पेयजल मिले। कोर्ट ने जल बोर्ड को आदेश दिया कि निरीक्षण के बाद एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश की जाए। मामले की अगली सुनवाई पांच जुलाई के लिए सूचीबद्ध की गई है। यह मामला तब सामने आया जब योजना विहार, आनंद विहार, जागृति एन्क्लेव और आसपास के कई इलाकों के निवासियों ने याचिका

दायर कर शिकायत की। याचिका में कहा कि उनके घरों में सीवेज मिश्रित दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। याचिकाकताओं ने बताया कि इस समस्या के कारण स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। दूषित पानी की वजह से कई बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की हालत सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। हाई कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो। कोर्ट ने जल बोर्ड को निर्देशित किया कि वे समस्या वाले इलाकों का भौतिक निरीक्षण करें, पानी की गुणवत्ता की जांच करें और जल्द से जल्द सुधारात्मक कदम उठाएं। साथ ही, कोर्ट ने यह भी कहा कि स्थिति रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया जाए कि किन-किन इलाकों में समस्या है और उसके समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। यह आदेश पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आया है, जो लंबे समय से गंदे पानी की आर्ति से परेशान थे।

धर्म छिपाकर युवती को फंसाया, फिर बार-बार किया दुष्कर्म; अब पीड़िता ने पी लिया तेजाब

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में वसंत कुज इलाके में एक युवक ने शादी का झांसा देकर एक दूसरे धर्म की युवती से संबंध बनाए और फिर शादी करने से इनकार कर दिया। वहीं, इससे परेशान युवती ने तेजाब पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। युवती को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपित की पहचान रिहान के रूप में हुई है। अभी मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित मोहम्मद रेहान पिछले कई सालों से पीड़िता के साथ दुष्कर्म कर रहा था। किशोरी की मां ने पुलिस को उसका मोबाइल फोन भी उपलब्ध करवाया है, जिसमें आरोपित की वायस रिकॉर्डिंग है। रेहान एयरपोर्ट पर लोडर का काम करता था। पुलिस ने उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट सहित बीएनएस की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

521 लापता लोगों को तलाशकर उनके परिवारों से मिलाया, 149 नाबालिग और 372 वयस्क खोजे

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत एक जनवरी से 30 जून तक 521 लापता लोगों को ढूंढकर उनके घरों में खुशियां लौटाई हैं। इनमें 149 नाबालिग और 372 वयस्क शामिल हैं। एक जनवरी से 30 जून तक चला अभियान ऑपरेशन मिलाप के तहत एक जनवरी से 30 जून तक कापसहेड़ा थाना पुलिस ने पांच लापता बच्चों और 28 वयस्कों, सागरपुर थाना पुलिस ने 10 लापता बच्चों और 20 वयस्कों को परिवार से मिलवाया। पालम गांव थाना पुलिस ने चार लापता बच्चों और 20 वयस्कों को, वसंत कुंज दक्षिण थाना पुलिस ने तीन लापता लड़कियों और 10 वयस्कों को, किशनगढ़ थाना पुलिस ने आठ लापता बच्चों और तीन वयस्कों को, एसजे एन्क्लेव थाना पुलिस ने एक नाबालिग लड़के और 10 वयस्कों को परिवारों से मिलवाया। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने 11 बच्चों को खोजा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने 11 लापता बच्चों को खोजा तो वसंत विहार थाना पुलिस ने छह लापता लड़कियों और तीन महिलाओं को, आरके पुरम

थाने ने नौ वयस्कों, दिल्ली कैंट थाने ने दो लापता लड़कियों और चार वयस्कों को परिवारों से मिलवाया। वसंत कुंज उत्तर थाने ने एक लापता लड़की और चार वयस्कों को, सरोजिनी नगर थाने ने एक लापता लड़की और तीन वयस्कों को और साउथ कैंपस थाने ने एक लापता महिला को परिवार से मिलवाया। कैसे की जाती है लापता लोगों की तलाश ऑपरेशन मिलाप : लौटते सपनों की 'खुशबू' दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन मिलाप सिर्फ एक अभियान नहीं, सैकड़ों टूटे दिलों को जोड़ने की उम्मीद है। जब कोई बच्चा गुम होता है या कोई बुजुर्ग घर से बिछड़ जाता है, तब हर दरवाजा खटखटाने के बाद भी उम्मीदें धुंधली पड़ने लगती हैं। ऐसे में ऑपरेशन मिलाप उन मांओं-बापों के लिए रोशनी की किरण बनकर आता है, जो अपनी औलाद की एक झलक के लिए तरस जाते हैं। सीसीटीवी फुटेज, रिक्शा-ऑटो वालों से पूछताछ और हर नुक्कड़ पर तलाश, ये सब सिर्फ एक मुस्कान लौटाने की जद्दोजहद है। जब एक खोया बच्चा मां की गोद में लौटता है तो ऑपरेशन मिलाप की मेहनत सैकड़ों परिवारों में नई सुबह लेकर आती है। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली पुलिस की इस कोशिश ने फिर साबित किया है कि पुलिस केवल कानून का पालन नहीं कराती, बल्कि टूटी उम्मीदों को जोड़ने का काम भी करती है।

हाईकोर्ट ने सार्वजनिक शौचालयों की दुर्दशा पर एमसीडी, दिल्ली सरकार और डीडीए को लगाई फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली में शौचालयों और सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव के प्रति उदासीनता पर दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार, एमसीडी और डीडीए को जमकर फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि आम जनता के लिए पर्याप्त और उचित शौचालय और सुविधाएं प्रदान करने से संबंधित मुद्दे पर विचार करना दुर्भाग्यपूर्ण है। जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि सार्वजनिक सुविधाओं का रखरखाव करने में भी एजेंसियां विफल हैं। सोसाइटी ने दिल्ली में कुछ सार्वजनिक शौचालयों की बेकार स्थिति को दशार्ते हुए कुछ तस्वीरें पेश की। तस्वीरें देखने के बाद अदालत ने कहा कि तस्वीरें स्वयं बता रही हैं कि प्राधिकारियों द्वारा पर्याप्त और अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। जबकि एमसीडी और डीडीए की प्राथमिक जिम्मेदारी पर्याप्त सार्वजनिक सुविधाएं प्रदान करना है।

जी.बी. रोड पर शख्स से मारपीट कर लूटपाट करने वाली दो महिला गिरफ्तार, एक को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली। कमला मार्केट थाने की टीम ने एक युवक के साथ मारपीट कर दस हजार रुपये लूटने वाली दो महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित युवक अपने घर लौटने के लिए निकला था, जब एक अज्ञात पुरुष ने उससे दोस्ती की और बहला-फुसलाकर जीबी रोड पर ले गया। वहां दो महिलाओं ने युवक के साथ मारपीट की और उससे नकदी व पर्स लूट लिया। आरोपित महिलाओं की पहचान जीबी रोड की रोमा और सकीना के रूप में हुई है। इनमें रोमा हत्या, अपहरण और अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम सहित आठ आपराधिक मामलों में पहले से शामिल रही है। उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, 30 जून को थाना कमला मार्केट में यात्री ने जीबी रोड से दस हजार रुपये लूटने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और स्थानीय खुफिया जानकारी विकसित कर लूटपाट में शामिल दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से लूट की पूरी रकम बरामद की। पुलिस उस संदिग्ध की तलाश में जुटी है जो पीड़ित को बहला फुसलाकर ले गया था।

मनमानी याचिका पर कोर्ट ने लगाया 10 हजार का जुमार्ना, कहा- झूठी याचिका न्याय प्रणाली का दुरुपयोग

नई दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मनमानी और बेबुनियाद याचिका दायर करने पर याचिकाकर्ता पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। कोर्ट ने कहा कि समृद्ध पक्षकारों द्वारा अनावश्यक मुकदमेबाजी के जरिये न्यायिक व्यवस्था को बाधित करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना बेहद जरूरी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर, कपिल अरोड़ा द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। यह याचिका अप्रैल 2025 की मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें अरोड़ा की स्वतंत्रता के हनन को लेकर मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश लालेर ने कहा कि याचिका का कोई कानूनी आधार नहीं था और यह कोर्ट पर दबाव बनाने की मंशा से दाखिल की गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की याचिकाएं न्यायिक प्रक्रिया को बाधित करती हैं और इन्हें गंभीर आर्थिक दंड के साथ रोका जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि न्याय प्रणाली के दुरुपयोग से अन्य मामलों में देरी होती है और इसे रोकना अनिवार्य है। क्लेरिकल त्रुटि के चलते किया गया रिहा कपिल अरोड़ा को अक्टूबर 2024 में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग ने जीएसटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। सत्र न्यायालय ने उन्हें 27 नवंबर को सशर्त जमानत दी थी, लेकिन सत्यापन संबंधी देरी और एक क्लेरिकल त्रुटि के चलते उन्हें 29 नवंबर को रिहा किया गया। मजिस्ट्रेट ने पाया था कि कोर्ट स्टाफ की ओर से कोई जानबूझकर गलती नहीं हुई थी और केवल एक चेतावनी देकर मामले को समाप्त किया गया। इसके बावजूद अरोड़ा ने मुआवजे और जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए दोबारा याचिका दायर की, जिसे फिर खारिज कर दिया गया। मनमानी याचिका को लेकर पहले भी कई बार विभिन्न अदालतों से टिप्पणी की गई है। अधिवक्ताओं को यह समझना आवश्यक है कि उनकी याचिकाओं से अदालतों का कीमती समय बर्बाद होता है। ऐसा करने से लोकतंत्र की इस शक्ति का दुरुपयोग होता है। ऐसे में अधिवक्ताओं को याचिका दायर करने से पूर्व यह सोचना चाहिए कि वे संविधान प्रदत्त इस शक्ति का दुरुपयोग न करें। यूं भी हमारी अदालतों में वर्षों से लंबित मामलों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। ऐसे में अदालतों के समय का अनावश्यक क्षरण नहीं होना चाहिए।

इंस्टाग्राम पर एक्टर के एआई जनरेटेड वीडियो से ठगा, ऑनलाइन निवेश का झांसा देकर लगाया 1.86 करोड़ का चूना

दक्षिणी दिल्ली : दक्षिणी दिल्ली के वसंत विहार इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति को इंस्टाग्राम पर एक एक्टर का फर्जी वीडियो दिखाकर जालसाजों ने 1.86 करोड़ रुपये ठग लिए। यह ठगी एक फर्जी निवेश योजना के बहाने अंजाम दी गई, जिसमें एक प्रसिद्ध भारतीय एक्टर का वीडियो उपयोग कर उसे भरोसेमंद दिखाया गया था। माना जा रहा है कि ये वीडियो एआई जेनेरेट है। पुलिस जांच में जुटी है। पीड़ित ने जब इस वीडियो को देखा, तो वह उसमें किए गए उच्च रिटर्न के वादे से प्रभावित होकर फर्जी वेबसाइट पर पंजीकरण कर बैठा, जिसकी वजह से उसे चूना लगा गया। जब जालसाजों ने रकम ट्रांसफर कराने के बाद संपर्क बंद कर दिया तो पीड़ित को ठगी का पता चला, जिसके बाद उन्होंने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आईएफएसओ (इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक आपरेशंस) यूनिट में शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के मुताबिक, पंजीकरण के कुछ ही समय बाद, खुद को निवेश सलाहकार बताने वाले कुछ लोगों ने इंटरनेट मीडिया एप्लिकेशन के जरिए पीड़ित से संपर्क करना शुरू किया। उन्होंने ट्रेडिंग के नाम पर उन्हें विभिन्न बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर करने को राजी किया। आरोपित उन्हें यह बताने लगे कि कब और कितने लाभ पर किस सिक्योरिटी को खरीदना या बेचना है। इसके अलावा, उन्होंने वीडियो काल के जरिए उच्च लाभ के आंकड़े दिखाकर उन्हें अधिक निवेश करने को प्रेरित किया। ठगों ने इस पूरे प्रकरण को वैध दिखाने के लिए एक जाली क्लाइंट एग्रीमेंट दस्तावेज भी भेजा, जिससे पीड़ित को विश्वास हो गया कि वह किसी असली ट्रेडिंग प्लेटफार्म पर निवेश कर रहा है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में गवाह गैर हाजिर, टली सुनवाई, अब 14 जुलाई की तारीख हुई तय

सुलतानपुर (एजेंसी)। जिले की एमपी-एमएलए अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले की सुनवाई मंगलवार को टल गई। मंगलवार को गवाह से जिरह होनी थी, लेकिन गवाह के न आने पर अदालत ने अगली सुनवाई 14 जुलाई को निर्धारित की है। यह मामला वर्ष 2018 का है, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

मिश्रा का आरोप था कि कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले में पिछली सुनवाई एक जून को हुई थी। भाजपा नेता विजय मिश्रा के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि उपरोक्त मामले में सुनवाई के लिए अदालत ने 14 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। एमपी-एमएलए अदालत ने दिसंबर 2023 को राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल ने अदालत में आत्मसमर्पण किया और उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दे दी गई। इसके बाद 26 जुलाई 2024 को राहुल ने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया था।उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है।

जालंधर में आए दिन हो रही अपराधिक घटनाओं से दहशत में शहरवासी

- बीते कुछ महीनों से जालंधर में गोलीकांड, मारपीट जैसे मामलों में तेज़ी से इज़ाफा हुआ

जालंधर (एजेंसी)। शहर में आए दिन हो रही अपराधिक घटनाएं आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर चिंता पैदा कर रही हैं। बीते कुछ महीनों से जालंधर में गोलीकांड, मारपीट और धमकियों जैसे मामलों में तेज़ी से इज़ाफा हुआ है, जिससे शहर के लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है। ताज़ा मामला शहर के पॉश इलाके मॉडल टाउन का है, जहां एक जिम से बाहर निकल रहे आरटीआई एक्टिविस्ट पर दो अज्ञात हमलावरों ने गोली चलाने की कोशिश की। गनीमत रही कि पिस्तौल में गोली फंस जाने के कारण बड़ा हादसा टल गया। घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुकी है और पुलिस जांच में जुटी है। इससे पहले भी जालंधर में एक के बाद एक हिंसक घटनाएं सामने आ चुकी हैं - चाहे वो सड़क पर सरेआम फायरिंग हो या फिर किसी व्यापारी या सामाजिक कार्यकर्ता पर हमले की वारदात। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि शहर में फैल रहे इस तरह के असामाजिक तत्वों पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। वह ऐसे गुंडा तत्वों के खिलाफ समय रहते कड़ा कदम उठाए और कानून-व्यवस्था को बहाल रखे, ताकि नागरिक बिना किसी डर के सामान्य जीवन जी सकें।

मराठी नहीं बोल पाने के कारण मुंबई में दुकानदार से मारपीट

- पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एक दुकानदार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है जिसमे 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है ?कि दुकानदार के मराठी नहीं बोल पाने के कारण उस पर हमला किया गया। मारपीट करने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ता थे। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार मिठाई की दुकान चलाने वाले 48 साल के बाबूलाल खिमजी चौधरी ने कहा कि कुछ लोग सुबह उनकी दुकान में आए थे। उन्होंने कहा कि कपड़ों पर मनसे के चिह्न बने हुए थे। जब दुकानदार ने उनके साथ हिंदी में बात की, तो बहस शुरू हो गई और मराठी नहीं बोल पाने के कारण दुकानदार के साथ मारपीट की गई। एक अखबार के अनुसार चौधरी ने कहा, दो लोग मेरे पास आए और दोबारा कहा कि अगर मुझे काम करना है, तो मुझे मराठी आनी चाहिए और बहस के बाद पीटा। उन्होंने कहा कि उन लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। मैंने उन्हें कहा कि मेरे कर्मचारी दूसरे राज्यों से हैं और मराठी ठीक से नहीं बोल पाते, लेकिन उन लोगों ने जोर दिया कि महाराष्ट्र में सभी को मराठी आनी चाहिए। चौधरी ने बताया है कि जब उससे पूछा गया कि महाराष्ट्र में कौन सी भाषा बोली जाती है, तो इस पर जवाब दिया कि सभी भाषाएं बोली जाती हैं। खबर है कि इसके बाद लोग और नाराज हो गए थे।

पाकिस्तान की गलती ने दो भारतीयों की जान ले ली

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पाकिस्तान की गलती ने दो भारतीयों की जान ले ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के ड्रोन के टुकड़ों से घायल हुए पंजाब के एक बुजुर्ग की मौत हुई है। वह, डेढ़ महीने से ज्यादा समय से अस्पताल में भर्ती थे। खास बात है कि घायल हुई उनकी पत्नी का पहले ही निधन हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को 65 साल से लखविंदर सिंह की लुधियाना स्थिति अस्पताल में मौत हो गई। वे फिरोजपुर जिले के खाई गांव के निवासी थे। इससे पहले 13 मई को पत्नी सुखविंदर कौर की भी मौत हो चुकी है। भारत-पाक संघर्ष के दौरान जम्मू और कश्मीर के बाहर हुई यह पहली आम नागरिक की मौत थी। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ड्रोन लांच किए थे। भारतीय वायुसेना ने इन्हें तबाह किया था। इनके मलबे से लखविंदर, सुखविंदर और उनका बेटा मोनू झुलस गया था। हालांकि, कुछ समय बाद ही मोनू को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था, लेकिन दोनों अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती रहे। शुरुआत में तीनों को फिरोजपुर शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में लुधियाना स्थिति अस्पताल में शिफ्ट कर दिया था।

कमलनाथ सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभाने वाले खंडेलवाल, भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में विधायक हेमंत खंडेलवाल को भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष चुना है। चुनावी प्रबंधन में माहिर खंडेलवाल 22 साल की उम्र से चुनाव अभियान को बखूबी संभाल रहे हैं। 2020 में कमलराज के खिलाफ विद्रोह से सत्ता में आई भाजपा में उनकी समन्वय की बड़ी भूमिका रही। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें प्रदेश चुनाव समिति का संयोजक नियुक्त किया गया था, जहां भाजपा ने सभी 29 सीटों पर जीत हासिल की। पिता के निधन के बाद राजनीति में उतरे खंडेलवाल 2013 में बैतूल विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बने थे।

22-23 साल की उम्र में वे अपने पिता विजय खंडेलवाल का चुनाव अभियान पर्दे के पीछे से संचालित करते रहे। 2018 के विधानसभा चुनाव में सत्ता गवां चुकी भाजपा 2020 में कमलराज के खिलाफ जिस विद्रोह से सत्ता में आई, उसमें समन्वय की बड़ी भूमिका खंडेलवाल की भी रही। दरअसल सिंधिया गुट को साधकर कमल खिलाने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में कांग्रेस के कुछ विधायकों द्वारा किए गए विद्रोह को भाजपा ने साधा और अपने साथ शामिल कर नई सरकार बनाने की कवायद शुरु की। उन्हें टूटने से बचाने के लिए भाजपा शासित कर्नाटक के बेंगलुरु ले जाया गया। कांग्रेस के सिंधिया के गुट और भाजपा नेतृत्व के बीच समन्वय की जिम्मेदारी जिन नेताओं को मिली, उसमें प्रदेश भाजपा के तत्कालीन संगठन चुनाव प्रभारी हेमंत खंडेलवाल प्रमुख थे।

भाजपा का अभियान सफल रहा और शिवराज सिंह चौहान चुनाव हारने के बाद भी मुख्यमंत्री बनने में सफल हुए। सभी 29 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। इसके बाद से ही केंद्रीय नेतृत्व बड़े चुनाव प्रबंधन में इनकी जिम्मेदारी बढ़ाता गया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें प्रदेश चुनाव समिति का संयोजक बनाया। यहां की सभी 29 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। खंडेलवाल ने वर्ष 2014 से 2018 तक पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष का दायित्व भी निभाया। वर्ष 2010 से 2013 तक उन्होंने भाजपा के बैतूल जिलाध्यक्ष का दायित्व भी संभाला।

खंडेलवाल वर्ष 2007 में पिता के निधन के बाद हुए उप चुनाव में लोकसभा का प्रत्याशी बनकर उतरे। यहां से उनके सक्रिय राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें बैतूल विधानसभा सीट से उतारा। वे जीत भी गए। वर्ष 2018 के चुनाव में उन्हें दोबारा टिकट मिला, लेकिन जीत नहीं पाए। तीसरी बार वर्ष 2023 के चुनाव में पार्टी ने एक बार फिर उन्हें टिकट देकर मैदान में उतारा और वे जीतने में सफल रहे।

सामाजिक दायित्व निभाने में भी आगे

खंडेलवाल सामाजिक दायित्व निभाने में भी पीछे नहीं रहते हैं। बैतूल जिले के ग्रामीण अंचलों तक साधनों के अभाव के कारण कई बार बैतूल के जिला अस्पताल से लोगों को घर तक स्वजन का शव ले जाने के लिए बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता था। यह देखकर खंडेलवाल ने अपने पिता की स्मृति में वर्ष 2015 में शांति वाहन सेवा की शुरुआत की। इसके माध्यम से दुख के समय पीड़ित परिवार के सहयोगी के रूप में सबसे आगे खड़े रहकर वाहन की मदद से अब तक 3300 शवों को स्वजन के साथ घर तक पहुंचाया गया।

थानाध्यक्ष ने टेंपो चालक को पीटा, ब्राह्मण मेरा दुश्मन कहकर थूक चटवाकर माफी मांगवाई

पटना। बिहार के शेखपुरा जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक थानाध्यक्ष पर टेंपो चालक से थूक चटवाने और उसकी बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा है। पीड़ित टेंपो चालक, मेंहुस गांव निवासी अजय मिश्रा के 26 वर्षीय पुत्र प्रद्युम्न कुमार के मुताबिक थानाध्यक्ष प्रवीण चंद्र दिवाकर ने साइड न देने पर टेंपो चालक को रोका, थाना ले जाकर पीटा, फिर उसकी जाति पूछी और ब्राह्मण मेरा दुश्मन है जैसे शब्द कहे, जिसके बाद थूक चटवाकर माफी मांगने को कहा।

पीड़ित टेंपो चालक ने बताया कि वह सवारी उतार कर घर जा रहा था, तभी पीछे से बुलेट पर आ रहे थानाध्यक्ष ने साइड न मिलने पर रोककर लाठी से पीटा। इसके बाद टेंपो जब्त कर थाना ले जाकर फिर उसकी पिटाई की गई। हालांकि, थानाध्यक्ष ने आरोपों से इंकार कहा कि टेंपो चालक ने गश्ती कर रही महिला सिपाही को देखकर सीटी मारी थी, इसकारण थाने लाकर पीटा गया था। पीड़ित ने बरबीघा विधायक सुदर्शन कुमार से संपर्क किया, जिन्होंने घटना सुनकर तुरंत एसपी से बात की। विधायक ने एसपी से जांच कर कार्रवाई करने का भरोसा मिलने की बात कर घटना की निंदा करते हुए कहा कि पुलिस को आम लोगों के साथ ऐसा अमानवीय व्यवहार नहीं करना चाहिए। उन्होंने डीजीपी स्तर तक कार्रवाई की मांग करने और कार्रवाई न होने पर थाना के समक्ष धरना देने की चेतावनी दी।

नए आपराधिक कानूनों से न्याय के प्रशासन में सिर्फ भ्रम पैदा हुआ: चिदंबरम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि तीन नए आपराधिक कानून बनाने की कवायद निरर्थक थी और इससे न्यायाधीशों, वकीलों और पुलिस समेत न्याय के प्रशासन में केवल भ्रम पैदा हुआ है।

चिदंबरम ने यह भी दावा किया कि नए अधिनियम ज्यादातर 'कॉपी एंड पेस्ट' वाले हैं और कुछ ही नए प्रावधान जोड़े गए हैं। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तीन नए आपराधिक कानूनों के अधिनियमन को स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा सुधार करार दिए जाने के एक दिन बाद आई है।

शाह ने इस बात पर जोर दिया था कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने नए कानून - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) बनाए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नागरिकों के सभी अधिकार सुरक्षित हैं और कोई भी अपराधी दंड से बच नहीं सकेगा।

सरकार पर निशाना साधते हुए कि चिदंबरम ने कहा कि उसने बार-बार दावा किया है कि तीन आपराधिक कानून आजादी के बाद सबसे बड़े सुधार हैं, जबकि यह बात सच्चाई से कोसों दूर है। पूर्व गृह मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैंने तीन विधेयकों की जांच करने वाली स्थायी संसदीय समिति को एक असहमति नोट भेजा था, और यह संसद में पेश की गई रिपोर्ट का हिस्सा है।''

उन्होंने कहा, ''मेरे असहमति नोट में संबंधित नए विधेयक के साथ आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा दर धारा की तुलना करने के बाद मैंने दावा किया था कि आईपीसी का 90-95 प्रतिशत, सीआरपीसी का 95 प्रतिशत और साक्ष्य अधिनियम का 99 प्रतिशत हिस्सा 'कॉपी' करके दिया गया है और संबंधित नए विधेयक में 'पेस्ट' कर दिया गया है।'' चिदंबरम ने कहा कि इन नए कानूनों से न्याय के प्रशासन में सिर्फ भ्रम पैदा हुआ है।

राजनाथ सिंह ने समझाई सच्ची धर्मनिरपेक्षता, विपक्ष पर लगाया मगरमच्छ के आंसू बहाने का आरोप, सीएए का किया जिक्र

पटना (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यक समुदायों के साथ हो रहे व्यवहार पर चिंता के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के लागू होने पर इसका विरोध करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की। राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने सीएए का पुरजोर विरोध किया जबकि अल्पसंख्यकों के लिए लगातार मगरमच्छ के आंसू बहाए। सिंह ने कहा कि पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे अत्याचारों को देखते हुए हमारी सरकार ने सीएए पारित किया, जिसका सबसे ज्यादा विरोध उन राजनीतिक दलों ने किया जो अल्पसंख्यकों के लिए दिन-रात मगरमच्छ के आंसू बहाते हैं।

रक्षा मंत्री ने पटना में पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मनोबल बढ़ाने वाला भाषण दिया। बांग्लादेश का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में स्थिति काफी खराब होती जा रही है। वहां हिंदू समुदाय के साथ जो कुछ हो रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज के माथे पर दाग से कम नहीं है। यह टिप्पणी बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा और व्यवस्थित भेदभाव की परेशान करने वाली रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में आई है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा दुनिया की एकमात्र पार्टी है जिसने पड़ोसी देशों के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए नागरिकता अधिनियम में संशोधन किया है। इसे ही सच्ची धर्मनिरपेक्षता कहते हैं। मैं धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार होने का दावा करने वालों से पूछना चाहता हूँ कि जब 1975 में संविधान में %धर्मनिरपेक्ष% शब्द जोड़ा गया था, तो इसे जम्मू-कश्मीर के संविधान में क्यों नहीं जोड़ा गया? क्या जम्मू-कश्मीर को धर्मनिरपेक्ष नहीं होना चाहिए था? जब हमने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया, तो वह सही मायनों में धर्मनिरपेक्ष हो गया।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है। कांग्रेस और आरजेडी इस बार लोगों को गुमराह करने की अपनी कोशिश में सफल नहीं होंगे... धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वाले लोगों को धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता के संविधान पर अपनी सहमति देनी चाहिए।

मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ मकोका लगाने के लिये सरकार मौजूदा कानूनों में संशोधन करेगी : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थ तस्करों पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत कठोर कार्रवाई करने के लिये मौजूदा कानूनों में संशोधन करेगी। उन्होंने कहा कि यह संशोधन राज्य विधानमंडल के चल रहे मानसून सत्र में किया जाएगा। विधान परिषद में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए फडणवीस ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है और वर्तमान में उन पर स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाता है। फडणवीस ने हालांकि कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों को जमानत मिल जाती है और वे फिर से अपनी गतिविधियां शुरू कर देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'सरकार कानून में संशोधन कर रही है ताकि इन लोगों को मकोका के तहत गिरफ्तार किया जा सके। राज्य विधानमंडल के चल रहे मानसून सत्र में यह संशोधन किया जाएगा।

कार्तिक महाराज पर दुष्कर्म का आरोप, हाईकोर्ट से एफआईआर रद्द करने की मांग

– टीएमसी ने कहा आरोपी भगवा कैंप के करीबी इसलिए बीजेपी चुप

कोलकाता (एजेंसी)। पद्मश्री से सम्मानित और भारत सेवाश्रम संघ मुर्शिदाबाद इकाई से जुड़े कार्तिक महाराज पर महिला ने दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि 2013 में महाराज ने उसके साथ छह महीने तक दुष्कर्म किया जब वह गर्भवती हो गई तो उसे गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया गया। इस मामले में कार्तिक महाराज ने कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। उन्होंने कोर्ट से अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की है। जस्टिस जय सेनगुप्ता की बेंच ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली है। इस मामले पर बुधवार को सुनवाई हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक महाराज पर महिला ने आरोप लगाए हैं। पुलिस ने कार्तिक महाराज को पूछताछ के लिए बुलाया था। सोमवार को नाबग्राम पुलिस स्टेशन ने भारत सेवाश्रम संघ की मुर्शिदाबाद इकाई को एक नोटिस भेजा था। इस नोटिस में कार्तिक महाराज को मंगलवार को पुलिस स्टेशन में पेश होने को कहा था। हालांकि, कार्तिक महाराज उस समय वहां मौजूद नहीं थे। इसलिए, नोटिस आश्रम के एक प्रतिनिधि को सौंप दिया गया।

मंगलवार को कार्तिक महाराज के वकील जस्टिस सेनगुप्ता की बेंच के पास पहुंचे। उन्होंने पुलिस स्टेशन में पेश होने की समय सीमा समाप्त होने से पहले एफआईआर रद्द करने की गुहार लगाई। याचिका में कहा गया है कि पुलिस ने 13 साल पहले हुई एक घटना के संबंध में महिला की शिकायत के आधार पर बिना किसी जांच के एफआईआर दर्ज कर ली है। कार्तिक महाराज ने शुरुआत से ही आरोपों को गलत बताया था। उनका कहना है कि पुलिस की कार्रवाई सिर्फ उन्हें परेशान करने के लिए की जा रही है। इस मामले को लेकर राजनीति भी गरमा गई हैं। तृणमूल कांग्रेस इस मुद्दे उठा रही है। उनका आरोप है कि बीजेपी इस बलात्कार के मामले पर चुप क्यों है, क्योंकि आरोपी भगवा कैंप के करीबी बताए जाते हैं। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल बीजेपी इकाई ने शिकायत के समय पर सवाल उठाए हैं। बीजेपी नेताओं का कहना है कि कथित दुष्कर्म की घटना के 13 साल बाद शिकायत दर्ज कराई गई है। वो भी ऐसे समय में जब राज्य सरकार और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज रेप केस को लेकर घिरी हुई हैं। पिछले हफ्ते नाबग्राम पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने आरोप लगाया था कि कार्तिक महाराज ने उसे चानाक आदिवासी आवासीय बालिका विद्यालय में नौकरी का वादा किया था। यह स्कूल आश्रम द्वारा चलाया जाता है। महिला और महाराज की मुलाकात दिसंबर 2012 में हुई थी। पीड़िता ने कहा कि उसे जनवरी 2013 में स्कूल के छात्रावास में रहने की जगह भी दी गई थी। महिला ने कार्तिक महाराज पर जनवरी और जून 2013 के बीच कम से कम 12 बार दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

सालाना 6.8 करोड़ टन खाना फेंका जाता है भारत में: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया में खादय अपशिष्ट के मामले में चीन पहले नंबर पर है जहां हर साल करीब 9.1 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है। इसके बाद भारत का स्थान आता है जहां सालाना लगभग 6.8 करोड़ टन खाना फेंका जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की ताजा रिपोर्ट में एशिया में खाद्य अपशिष्ट को लेकर चिंताजनक स्थिति उजागर हुई है। इस आंकड़े के साथ भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। यह स्थिति उस वक्त और भी गंभीर नजर आती है जब देश में करोड़ों लोग गरीबी और भूख का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत की कुल खाद्य आपूर्ति का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा उपभोग से पहले ही खराब या बर्बाद हो जाता है। यह सप्लाई चेन की कमजोरियों, भंडारण की समस्याओं और वितरण व्यवस्था की खामियों को भी उजागर करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस स्थिति को वैश्विक संकट बताते हुए चेताया है कि खाद्य अपशिष्ट न केवल नैतिक और सामाजिक चुनौती है बल्कि इसका पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर भी भारी बोझ पड़ता है। खराब या बर्बाद हुआ भोजन केवल संसाधनों की बर्बादी नहीं है बल्कि इसके उत्पादन में इस्तेमाल पानी, जमीन और ऊर्जा का अपव्यय भी है। साथ ही यह जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को भी बढ़ाता है। भारत सरकार और कई गैर-सरकारी संगठन इस चुनौती से निपटने के प्रयासों में जुटे हैं। 'जीरो फूड वेस्ट' जैसी पहलों के तहत कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और विवाह आयोजनों से बचा हुआ भोजन गरीबों तक पहुंचाने की योजनाएं बनाई गई हैं। हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि इन प्रयासों को सफल बनाने के लिए जन-जागरूकता बढ़ाना, सख्त कानूनी प्रावधान लागू करना और तकनीकी सहयोग को बढ़ाना जरूरी होगा। भारत में फिलहाल करीब 19 करोड़ लोग कुपोषण का सामना कर रहे हैं। ऐसे में खाद्य अपशिष्ट को रोकना सिर्फ एक प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारी है, जिससे भूखमरी और कुपोषण जैसे संकटों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह समस्या केवल सरकारी नीतियों से नहीं सुलझेगी, इसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। जब एक तरफ थालियों से भोजन फेंका जाता है और दूसरी तरफ बड़ी आबादी भूख और कुपोषण से ग्रस्त है, तो यह सामाजिक और मानवीय असंतुलन का प्रतीक बन जाता है।

कांवड़ यात्रा को देखते हुए जारी किए कड़े निर्देश, भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

–खाद्य लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रमुखता से दिखाना होगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार ने आगामी कांवड़ यात्रा को देखकर कड़े निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत यात्रा मार्ग पर स्थित सभी भोजनालयों, होटलों, ढाबों, ठेलों और स्टॉलों के लिए खाद्य लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रमुखता से दिखाना होगा। स्वास्थ्य सचिव एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए इन प्रमाण पत्रों की साफ प्रति प्रतिष्ठान में आसानी से दिखने वाली जगह पर लगी होना चाहिए। छोटे व्यापारियों और ठेला-खोमचा मालिकों को भी अपने पंजीकरण प्रमाण पत्र अपने पास रखने और प्रदर्शित करना होगा। इसके अलावा, होटल, भोजनालय, ढाबे और रेस्तरां को खाद्य सुरक्षा डिस्प्ले बोर्ड भी लगाना होगा, इससे ग्राहक खाद्य गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान कर सकें। अधिकारी ने चेतावनी दी कि इन निर्देशों का पालन न करने वाले व्यवसायों पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 की धारा 55 के तहत 2 लाख तक का जुर्माना लग सकता है।

धामी सरकार ने दो टूक कहा है कि पंडालों और सामुदायिक रसोई में श्रद्धालुओं को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। मिलावट करने वालों और मानकों से छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई होगी, क्योंकि श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अपर आयुक्त ने बताया कि हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, पौड़ी और उत्तरकाशी जिलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें नियमित रूप से पंडालों से दूध, मिठाई, तेल, मसाले और पेय पदार्थों के नमूने एकत्र करेंगी और उन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजेंगी। यदि कोई नमूना निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरता है, तब प्रतिष्ठान को तुरंत बंद कर दिया जाएगा। कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू हो रही है, जो श्रावण मास की शुरुआत का प्रतीक है। इस यात्रा में भक्त हरिद्वार, गौमुख, गंगोत्री और सुल्तानगंज जैसे स्थलों से गंगा से पवित्र जल एकत्र कर स्थानीय शिव मंदिरों में चढ़ाते हैं।

हेडिंग्ले में दो शतक लगाकर रैंकिंग में छठे नंबर पर पहुंचे ऋषभ पंत, टॉप से अभी बेहद दूर

दुबई (एजेंसी)। हेडिंग्ले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले ऋषभ पंत टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने इस टेस्ट में 134 और 118 रनों की पारियां खेली थीं, जिससे रैंकिंग में उन्हें एक स्थान का फायदा हुआ। हालांकि यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नहीं है। उन्होंने 2022 में टेस्ट रैंकिंग में पांचवां स्थान हासिल किया था। पंत के अब कुल 801 रेटिंग अंक हो गए हैं, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग अंक है। हालांकि वह अब भी नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज जो रूट से 88 अंक पीछे हैं।

रूट ने हेडिंग्ले में पहली पारी में 28 और दूसरी पारी में नाबाद 53 रन बनाए थे। पिछले मैच में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज़ बेन डकेट करियर की सर्वश्रेष्ठ 787 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बारबाडोस टेस्ट में दोनों पारियों में अर्धशतक लगाकर तीन स्थान की छलांग लगाई और वह अब शीर्ष-10 में हैं।

हेड ने पहली पारी में 59 और दूसरी पारी में 61 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी। हेडिंग्ले में पांच विकेट लेकर जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के जॉश हेजलवुड ने बारबाडोस टेस्ट की दूसरी पारी में 43 रन देकर 5 विकेट झटके थे। वह एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए।

वेस्टइंडीज के जेडन सील्स ने पहली पारी में 60 रन देकर 5 विकेट लिए थे। वह एक स्थान ऊपर चढ़कर 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स की टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और कॉर्बिन बॉश ने जिम्बाब्वे के ख़िलाफ बुलावायो टेस्ट में गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन कर ऑलराउंडर्स की रैंकिंग के शीर्ष-20 में प्रवेश कर लिया है।

क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता शनिवार को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता इसी सप्ताह शनिवार को बेंगलुरु में होगी। श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे पहले ये प्रतियोगित 24 मई को होनी थी पर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण स्थागित कर दिया गया था। ये पहली बार है जब भारत में किसी अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से भी मंजूरी मिली हुई है। इस टूर्नामेंट में देश विदेश के कुल 12 खिलाड़ी होंगे शामिल होंगे। इस टूर्नामेंट में नीरज चोपड़ा समेत पांच भारतीय सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल शामिल होंगे। वहीं विदेश के सात सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेड के एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ग विजेता थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 के वर्ल्ड चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा शामिल हैं। इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी। इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं। वहीं थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में है।

टी20 विश्वकप के लिए 13 टीमें तय हुईं

–बचे हुए 22 स्थानों के लिए 22 टीमों में होगा मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। अगले साल की शुरुआत में संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 13 टीमें तय हो गयी हैं जबकि बचे हुए सात स्थानों के लिए 22 टीमों के बीच मुकाबला होना है। इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों को खेलने का अवसर मिलेगा। हैं। इनमें से मेजबान भारत और श्रीलंका सहित कुल 13 टीमें घोषित को गयी हैं जबकि सात और टीमों की घोषणा इस साल अक्टूबर तक होगी। कनाडा की टीम ने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए दो टीमों पर फैसला होगा। ये टूर्नामेंट भी पिछले टूर्नामेंट के प्रारुप के अनुसार ही होगा। जिसके तहत पहले 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे। मेजबान के रूप में भारत और श्रीलंका को पहले दो स्थान मिले हैं। उसके बाद अगले 10 स्थानों का पिछले संस्करण में सुपर आठ क्वालीफायर और 30 जून 2024 की कट-ऑफ डेट पर टीम रैंकिंग के आधार पर हुआ। पिछले टी20 विश्व कप 2024 में सुपर 8 में प्रवेश के कारण अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज को 2026 टी20 विश्व कप में जगह मिली। अमेरिका ने भी टॉप 8 में पाकिस्तान को हराकर प्रवेश किया था। सुपर 8 में नहीं पहुंचने के बाद भी पाक ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ अपनी टी20ढ्ढ रैंकिंग के आधार पर अगले संस्करण में अपना स्थान तय किस है।

अब तक भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज ने इसके लिए प्रवेश हासिल किया है। इन टीमों के अलावा सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। एक तरह से देखा जाए तो 22 टीमों में बाकी के सात स्थानों के लिए मुकाबला होगा। एशिया और पूर्वी एशिया पेसिफिक रीजन से तीन टीमें प्रवेश करेंगी, जबकि दो-दो टीमें यूरोप क्वालीफायर और अफ्रीका क्वालीफायर से आएंगी। एशिया-ईस्ट एशिया पेसेफिक रीजन से जापान, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, कतर, समोआ और यूएई की टीमें क्वालीफायर्स खेलेंगी और इनमें से तीन टीमें सीधे टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स में इटली, जर्सी, ग्वेर्नसे, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की टीम खेलेगी। इनमें से दो टीमें टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को लगा एक और झटका, बीसीसीआई ने आरसीबी और केएससीए को भेजा नोटिस

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के लोकपाल और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने IPL फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 4 जून को हुई भगदड़ के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया जिसमें कई लोग घायल हो गए और 11 लोगों की मौत हो गई।

यह कदम विकाश कुमार विकास द्वारा 12 जून को दर्ज की गई एक औपचारिक शिकायत के जवाब में उठाया गया है जिसमें स्टेडियम में टिकट बिक्री कार्यक्रम के दौरान RCB फ्रेंचाइजी द्वारा बड़ी लापरवाही और सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप है। शिकायत में दावा किया गया है कि अपर्याप्त भीड़ प्रबंधन, स्थानीय अधिकारियों के साथ बातचीत की कमी और खराब सुरक्षा व्यवस्था के कारण भगदड़ हुई।

विकास ने अपनी शिकायत में जवाबदेही की विफलताओं का हवाला देते हुए RCB फ्रेंचाइजी को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। उन्होंने BCCI से फ्रेंचाइजी से जुड़ी किसी भी बिक्री वार्ता पर रोक लगाने का भी आग्रह किया है, यह तर्क देते हुए कि मालिक दायित्व से बचने के लिए टीम को बेचने का प्रयास कर सकते हैं। घटना की गंभीरता और जिम्मेदारी का पता लगाने की आवश्यकता का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति मिश्रा ने KSCA और RCB दोनों को शिकायतकर्ता को प्रतियों के साथ चार सप्ताह के भीतर शिकायत पर लिखित जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

लोकपाल ने शिकायतकर्ता को उसके बाद जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन की अवधि भी दी। उन्होंने आगे निर्देश दिया है कि फ्रेंचाइजी के स्वामित्व के संबंध में यथास्थिति बनाए रखी जाए

और मांगी गई अंतरिम राहत पर नोटिस जारी किया जाए। स्टेडियम के बाहर अराजक दृश्य देखे गए, जहां कथित तौर पर हजारों प्रशंसक RCB की खिताबी जीत का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रशंसकों को बैरिकेड तोड़ते हुए दिखाया गया जिसमें कई लोग गर्मी और भीड़ के दबाव के कारण बेहोश हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों और चिकित्सा सहायता की भारी कमी थी, और इस बात पर सवाल उठाए गए कि कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन टिकटिंग को प्राथमिकता क्यों नहीं दी गई। RCB फ्रेंचाइजी ने कथित तौर पर बेंगलुरु पुलिस के साथ प्रभावी ढंग से समन्वय नहीं किया था, जिसने कथित तौर पर आयोजकों को भीड़भाड़ के संभावित जोखिम के बारे में पहले ही चेतावनी दे दी थी।

KSCA ने भीड़ नियंत्रण उपायों पर आंतरिक रूप से चिंता जताई थी, लेकिन प्रचार और टिकटिंग के प्रभारी फ्रेंचाइजी अधिकारियों ने इसे खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति मिश्रा ने शिकायत और मीडिया रिपोर्टों पर ध्यान देते हुए इस आशंका पर चिंता व्यक्त की कि फ्रेंचाइजी स्वामित्व हस्तांतरण कार्यवाही में तेजी लाकर खुद को परिणामों से दूर रखने का प्रयास कर सकती है।

लोकपाल ने यह स्पष्ट किया कि जवाबदेही को दरकिनार नहीं किया जा सकता है और सभी पक्षों को ऐसी किसी भी गतिविधि से दूर रहने का आदेश दिया है जो शिकायत की स्थिति को प्रभावित कर सकती है। भगदड़ के कारण राज्य में फ्रेंचाइजी और क्रिकेट अधिकारियों दोनों की सार्वजनिक आलोचना हुई है। नागरिक समाज समूहों और प्रशंसक संघों ने क्रिकेट आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन के लिए पारदर्शी जांच और सख्त सुरक्षा मानदंडों की मांग की है। लोकपाल द्वारा औपचारिक कार्यवाही शुरू करने के साथ अब ध्यान KSCA और RCB की प्रतिक्रियाओं और इंडियन प्रीमियर लीग में फ्रेंचाइजी के भविष्य के संभावित परिणामों पर केंद्रित है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरा टी20 भी जीता , इंग्लैंड को 24 रनों से हराया

लंदन(एजेंसी) ।जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 24 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2–0 की बढ़त ले ली है।भारतीय टीम ने पहला मैच भी 97 रनों से जीता था।इस मैच में टॉस जीतकर इंग्लैंड की टीम ने भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया।भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी इस मैच से वापसी की पर वह रन बनाने में विफल रहीं।टीम ने 31 रन देकर 3 विकेट खो दिए थे पर इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अच्छी बल्लेबाजी कर स्कोर आगे बढ़ाया। जेमिमा ने 9 चौके और एक छक्का लगाकर 41 गेंदों में 63 रन बना दिये जबकि अमनजोत ने 40 गेंदों में 9 चौकों की सहायता से 63 रन बनाये।

ऋचा घोष ने 20 गेंदों में 32 रन बनाए।भारतीय टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 181 रन बनाये।इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल ने दो जबकि लॉरेन फिलर और एम अरलॉट से एक–एक विकेट लिया।इसके बाद इंग्लैंड की टीम 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 157 रन ही बना पायी इस प्रकार उसे 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा।टैम ब्यूमोंट ने 54 जबकि एमी जोन्स ने 32 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रहीं।भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने दो विकेट जबकि दीप्ती व अमनजोत ने एक–एक विकेट लिया।

जिस भी खिलाड़ी पर यौन शोषण के आरोप हैं उसकी जांच हो : सैमी

बारबाडोस ।वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि टीम के जिस भी खिलाड़ी पर यौन शोषण के आरोप हैं उसकी जांच की जाये पर कहा कि इसमें सही कानूनी प्रक्रिया का पालन होना चाहिये।इससे पहले गयाना के एक अखबार की रिपोर्ट में कहा गया था कि टीम के एक क्रिकेटर पर 11 युवतियों ने शोषण के आरोप लगाये हैं पर इस मामले में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। सैमी ने कहा कि ये स्थित गंभीर है पर इसमें कानूनी प्रक्रियाओं का सम्मान होना चाहिये। पूर्व कप्तान सैमी ने कहा, ''मीडिया में जो कुछ आ रहा है, वह हम सभी को पता है। मैं अपने खिलाड़ियों के बहुत करीब हूं। मैंने उनसे बातचीत की है। एक बात मैं कह सकता हूं कि हम न्याय में विश्वास करते हैं। हमारा भी मानता है कि न्याय होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि, इसकी एक तय प्रक्रिया होती है। आरोप लगाए गए हैं और हम जांच में अपनी तरफ से सभी प्रकार से सहायेग करेंगे, जिससे उचित प्रक्रिया और सही प्रणाली का पालन तय किया जा सके।'' सैमी ने कहा कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले कानून को अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''ये आरोप हैं। हम न्याय प्रणाली को जानते हैं। आपको प्रक्रिया के लिए इंतजार करना होगा। मैं कोई न्यायाधीश नहीं हूं। जो जानकारी सामने आई है, वही हमारे पास है। मुझे पूरा भरोसा है कि अंत में न्याय होगा।''

जसप्रीत बुमराह को रेस्ट देने पर भड़के रवि शास्त्री, गिल-गंभीर को जमकर सुनाया

लंदन (एजेंसी)। बुधवार को भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में तीन बदलाव किए हैं। शार्दुल ठाकुर, साई सुदर्शन को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया है, जबकि जसप्रीत बुमराह को रेस्ट दिया गया है। जसप्रीत बुमराह की जगह आकाशदीप को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री बुमराह के ना होने से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ये सुनिश्चित करना चाहिए था कि बुमराह दूसरे टेस्ट में खेलें, क्योंकि दोनों मैचों के बीच लगभग एक सप्ताह का अंतर था।

बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के कारण बुधवार से शुरू हुए दूसरे टेस्ट मैच में आराम दिया गया। वह लीड्स में पहले टेस्ट मैच में खेले थे जिसमें भारत पांच विकेट से हार गया था। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। साई सुदर्शन और शार्दुल ठाकुर को टीम में नहीं चुना गया है।

रवि शास्त्री ने कहा कि, इसको खेलो इसे 1-1 से बराबरी पर लाओ और फिर उन्हें विकल्प दो। आप लॉर्ड्स में आराम देना चाहते हो, वहां दो। आप सोचते हैं कि वह लॉर्ड्स में रेस्ट करेगा? कोई मौका नहीं है अगर आप ये जीतते हैं, अगर आप भारत के नजरिए से देखें तो ये बहुत ही अहम टेस्ट मैच बन जाता है। आप न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैच हारे, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन हारे और यहां पहला मैच गंवाया है और आप जीते के रास्ते पर आना चाहते हैं। आपके पास दुनिया का सबसे अच्छा तेज गेंदबाज है और आप उसे सात दिन के आराम के बाद बाहर बैठा देते हैं, इस पर विश्वास करना बहुत कठिन है।

साक्षी, जैस्मिन और लक्ष्य विश्व मुक्केबाजी कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

अस्ताना ।भारतीय मुक्केबाजों साक्षी, जैस्मिन, मीनाक्षी और लक्ष्य चाहर व मनीष राठौर ने कजाकिस्तान में जारी विश्व मुक्केबाजी कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है।इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 54 किग्रा भार वर्ग में साक्षी ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्री–क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की चार्ली डेविसन को 5–0 से हराया।साक्षी के अलावा जैस्मिन ने 57 किग्रा वर्ग में अजरबैजान की अयनुर मिकायिलोवा को 5–0 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।महिलाओं के ही वर्ग में भारत की मीनाक्षी ने लाइट–फ्लाईवेट श्रेणी में ऑस्ट्रेलिया की मैडेलीन बोवेन को 5–0 से पराजित किया जबकि मुस्कान ने मिडिलवेट श्रेणी में इंग्लैंड की केरी डेविस को करीबी मुकाबले में 3–2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी है।दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भारत के लक्ष्य ने 80 किग्रा वर्ग में बुल्गारिया के विलियम चोलोव को 4 –1 से हराया।वहीं भारत के ही मनीष राठौर को 55 किग्रा वर्ग में जापान के रुई यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।साक्षी, लक्ष्य और जैस्मिन अब सचिन सिवाच, हितेश गुलिया, मुस्कान, मीनाक्षी और संजू के साथ अगले दौर में पहुंच गये हैं।इससे पहले हितेश और सचिन सिवाच ने अपने मुकाबलों में आसानी से जीत हासिल की थी।

धवन बोले शुभमन, ईशान के आने से अपना करियर समाप्त होने का अंदाजा हुआ

नई दिल्ली।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि शुभमन गिल और ईशान किशन के आने के बाद ही उन्हें अपने करियर के समाप्त होने का अंदाज हो गया था।इसका कारण है कि शुभगन सभी प्रारुपों में अच्छा कर रहे थे।वहीं ईशान ने एक दौहरा शतक भी लगा दिया था।जब प्रदर्शन कमजोर हो गया तब उन्हें समझ आ गया कि अब उन्हें टीम में जगह नहीं मिलेगी।धवन ने साल 2013 में मोहाली की पिच पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 85 गेंदों में शतक लगाकर टेस्ट डेब्यू में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाया था।उनकी 187 रन की आक्रामक पारी सबसे आकर्षण का केन्द्र रही।33 टेस्ट में कई अच्छी पारियां खेलने के बाद भी धवन का टेस्ट करियर ज्यादा समय नहीं चला।साल 2018 की इंग्लैंड सीरीज के बाद उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया।इस क्रिकेटर के अनुसार उसने प्रयास किया पर तब वह अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में नहीं थे।वहीं जब वह अपने करियर को देखते हैं तो उन्हें काई पछतावा नहीं होता।साथ ही कहा कि मैं पीछे देखता हूं तो खुश हूं कि मैंने जो हासिल किया, वो किसी सपने से कम नहीं हैं।धवन को टी–20 विश्व कप 2021 में जगह नहीं मिली पर वह समझ गये थे कि अब बदलाव तय है।इस क्रिकेटर ने कहा कि मैंने किसी को फोन नहीं किया क्योंकि मैं जानता था, हर किसी की अपनी सोच होती है और बात करने से कुछ नहीं होगा। साल 2013 चैंपियंस ट्रॉफी से लेकर 2022 तक धवन भारतीय एकदिवसीय टीम के सलामी बल्लेबाज रहे।वहीं साल. 2015 विश्व कप, 2017 चैंपियंस ट्रॉफी सहित कई अवसरों पर इस क्रिकेटर ने सबसे ज्यादा रन बनाए। रोहित के साथ उनकी जोड़ी काफी अच्छी रही पर उन्हें 2023 एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली क्योंकि तब शुभमन काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे।

शमी को हर माह पत्नी व बेटी को देने होंगे चार लाख रुपये : हाईकोर्ट

कोलकाता ।कोलकाता हाईकोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को हर माह अपनी पत्नी हसीन जहां व बेटी आयरा को गुजारा भत्ता के तौर पर चार लाख रुपये देने के निर्देश दिये हैं।निर्देश के तहत शमी को पत्नी को डेढ़ लाख और बेटी को ढाई लाख हर महीने खर्चे के लिए देने होंगे।हाईकोर्ट की बेंच ने हसीन जहां की एक याचिका पर सुनवाई के बाद ये आदेश पारित किया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ता पत्नी को 1.5 लाख रुपये प्रति माह और बेटी को 2.5 लाख रुपये प्रति माह दे।अदालत ने यह भी कहा कि शमी अपनी बेटी के लिए निर्धारित राशि से अधिक शिक्षा या अन्य खर्चों के लिए दे सकते हैं। इससे पहले हसीन जहां ने जिला सत्र न्यायालय के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी, जिसमें शमी को 2023 में अपनी पत्नी को 50 हजार रुपये और बेटी को 80 हजार रुपये देने का निर्देश दिया गया था।वहीं हसीन ने अदालत से अपने लिए 7 लाख रुपये और अपनी बेटी के लिए 3 लाख रुपये प्रति माह का मुआवजा मांगा था।हसीन साल 2014 में शमी से शादी से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए मॉडल और चीयरलीडर रही हैं।उनकी बेटी आयरा का जन्म 2015 में हुआ था।हसीन ने शमी पर साल 2018 में घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था।तभी से दोनो के बीच मामला अदालत में चल रहा है।इन दोनो का अभी तक कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शमी ने अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए पैसे देना बंद कर दिया था।

छह साल की उम्र में थामा बैडमिंटन, अब जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 बनीं भारत की तन्वी शर्मा

स्पोर्ट्स डेस्क। पंजाब की गोल्डन गर्ल तन्वी शर्मा बैडमिंटन में जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 बन गई हैं। तन्वी हाल ही में बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन 2025 में महिला एकल वर्ग में उपविजेता रहीं थी। महिला एकल के फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा को शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करते हुए रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व टूर स्तर के अपने पहले फाइनल में खेल रही गैर-वरीयता प्राप्त इस किशोर खिलाड़ी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

विश्व में 66वें स्थान पर काबिज यह युवा भारतीय शटलर जूनियर विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी बन गई है और विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में शीर्ष 50 में शामिल हो गई है। उसने बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 में अपने अभियान से वैश्विक बैडमिंटन समुदाय को चकित किया जिसमें विश्व की 23वें नंबर की खिलाड़ी सहित कई उच्च रैंक वाली प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल में प्रवेश करना शामिल था।

तन्वी अगले महीने होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य रखकर चल रही है। वह अब गुवाहाटी में भारतीय बैडमिंटन टीम के शिविर में शामिल होगी। टीम अगले महीने इंडोनेशिया में होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में भाग लेगी।

छह साल की उम्र में शुरु किया खेलना, मां ने निखारा

तन्वी ने 6 साल की छोटी सी उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया था। शुरू से से ही प्रतिभाशाली रही तन्वी ने प्रतिष्ठित पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में चार साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया। इस दौरान उसने भारत के कुछ शीर्ष शटलरों के साथ ट्रेनिंग ली जिसने उनके कौशल को निखारा। इस दौरान तन्वी की मां ने भी बेटी के साथ कड़ी मेहनत की और शुरू में उसके खेल को आकार देने और उसकी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

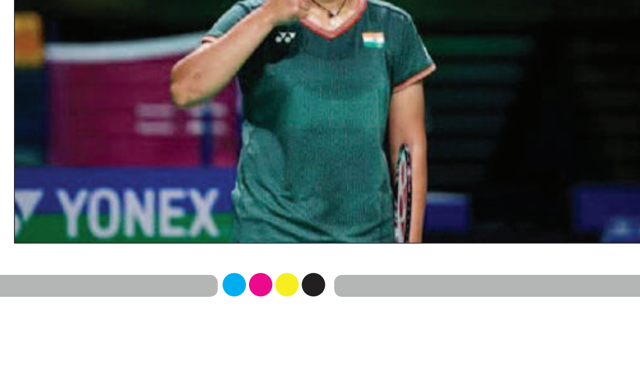

सरदार जी 3 विवाद पर आदित्य नारायण ने रखी राय

सिंगर आदित्य नारायण ने दिलजीत दोसांझ और उनकी फिल्म सरदार जी 3 के चल रहे विवाद पर अपनी राय दी है। आदित्य ने कहा कि भारत एक सहनशील देश है, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है। आदित्य ने कहा, मुझे नहीं पता मैं क्या कहूं या ना कहूं। मैं देशभक्त हूं। मेरे लिए हमेशा देश पहले है। सामने वाला देश (पाकिस्तान)... ये उनकी आदत है (आतंकवाद को समर्थन देने की)। हम भारतीय प्यार और एकता का संदेश फैलाते हैं। हम वसुधैव कुटुंबकम् में भरोसा करते हैं, लेकिन हम कब तक सहन करें? जो गलत है वो गलत है। समय सही नहीं है। अत्याचार हर भारतीय के दिमाग में ताजा हैं।

आदित्य ने आगे कहा, हमेशा कोशिश की कि दोनों देशों को करीब लाएं, चाहे खेल हो, म्यूजिक या फिल्म। पर सामने वाले की भी जिम्मेदारी होती है। ताली दोनों हाथ से बजती है। अब वक्त है कि हम देश के लिए स्टैंड लें। बहुत हो गया। थोड़ा सा सामने वाले से प्यार मिले तो हम सोचें। अब हमें भी प्यार चाहिए। आदित्य बोले- रिश्ते कभी अच्छे ही नहीं थे आदित्य ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि दिलजीत दोसांझ का फैसला सही है या गलत। उन्होंने कहा, जब इसकी कास्टिंग हुई होगी तब रिश्ते इतने खराब नहीं थे, लेकिन अगर देखें तो रिश्ते कभी अच्छे थे ही नहीं। हालात जटिल हैं, लेकिन देश पहले है। यही मेरा देश है। यही मेरी धरती है।

आदित्य बोले- मैं देश को पहले रखता और उम्मीद नहीं करता जब आदित्य से पूछा गया अगर वो दिलजीत की जगह होते, तो क्या करते? तो आदित्य बोले, मैं देश को पहले रखता। मैं किसी से कुछ उम्मीद नहीं करता। मैं उनके काम पर कुछ नहीं कहूंगा, लेकिन अगर मैं होता तो देश पहले रखता। हर भारतीय ऐसा करेगा। हम इंडिया से प्यार करते हैं। इंडिया में रहने वाले लोग इंडिया से प्यार करते हैं। इंडिया में ना रहने वाले भी इंडिया से प्यार करते हैं। हमारा देश इतना प्यारा है, हमारे साथ ऐसा क्यों किया जाता है? आदित्य ने आगे ये भी कहा, बस सुधार कीजिए। ये बहुत सेंसिटिव टॉपिक है। हर बात इंटरनेट पर ट्रोल होती है, लेकिन यही मेरी सोच है। हम हमेशा मेहमान नवाज और सहयोगी रहे हैं। अभी भी हैं। प्यार हमारा संदेश है, लेकिन सहनशीलता की भी सीमा है।

कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं रूही सिंह

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं। उनसे पूछा कि जब उन्हें यह फिल्म ऑफर हुई तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ ग्रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे। कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

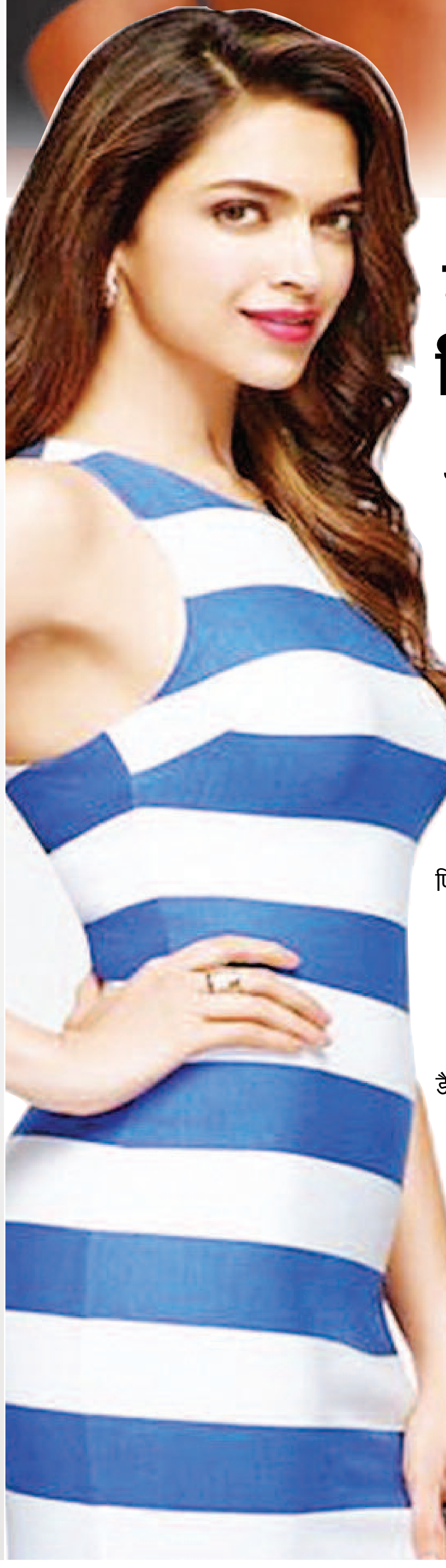

दीपिका पादुकोण ने की ब्रैड पिट की फिल्म एफ1 की प्रशंसा

ब्रैड पिट हॉलीवुड फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में अभिनेता की फिल्म एफ1 भारतीय सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं। साथ ही फिल्म को अच्छी प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ने ब्रैड पिट की तारीफ की है और एक पोस्ट शेयर किया है। आइए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा।

क्या बोलीं दीपिका पादुकोण?

ब्रैड पिट अभिनीत एफ 1 27 जून को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह एक रेसिंग फिल्म है, जिसे स्पोर्ट्स प्रेमी पसंद कर रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्हें ब्रैड पिट की फिल्म की प्रशंसा करते देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने लिखा कि शानदार ब्रैट पिट, क्या फिल्म है। हालांकि, आपको बताते चलें कि ये पोस्ट दीपिका पादुकोण ने कुछ अलग अंदाज में किया है।

एफ 1 फिल्म के बारे में

जोसेफ कोसिंस्की द्वारा निर्देशित एफ1 में ब्रैड पिट के साथ डैमसन इदरीस प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म में मैक्स वर्स्टैपेन, फर्नांडो अलोंसो, लुईस हैमिल्टन, कार्लोस सैन्ज, एस्टेबन ओकन, जॉर्ज रसेल, लांस स्ट्रोल, लैंडो नॉरिस और चार्ल्स लेक्लर सहित कई रियल लाइफ के फॉर्मूला 1 सितारे इस फिल्म में कैमियो करते नजर आए हैं।

दीपिका पादुकोण का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री ने कई शानदार फिल्में दी हैं, जिनमें पद्मावत, बाजरीव मस्तानी जैसी फिल्में शामिल हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार सिंघम अगेन में देखा गया था। इसके अलावा एक्ट्रेस की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म में देखा जाएगा। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण एक्शन अवतार में दिखेंगी, जिनके साथ अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

हॉरर कॉमेडी की दुनिया में कदम रखेंगे रणवीर सिंह?

रणवीर सिंह जल्द ही लोकप्रिय स्त्री सिनेमाई ब्रह्मांड में शामिल होने वाले हैं। यह उनकी पहली हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसके अलावा एक्टर अक्सर अपने अतरंगी पहनावे से चर्चा में बने रहते हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, अब रणवीर स्त्री यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं।

10 साल बाद फिर से डायरेक्टर की कमान संभालेंगे एक्टर एसजे सूर्या

साउथ इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता और निर्देशक एसजे सूर्या एक दशक बाद निर्देशक की कुर्सी पर फिर से लौटने जा रहे हैं। साल 2015 में फिल्म 'इसाई' के जरिए निर्देशन करने वाले सूर्या अब अपनी अगली फिल्म 'किलर' के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसे उन्होंने अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है। इस खबर के सामने आते ही साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं और दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म 'किलर' के साथ करेंगे वापसी

एसजे सूर्या की ये नई फिल्म 'किलर' मलयालम की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी श्री गोकुलम मूवीज और एसजे सूर्या की एंजेल स्टूडियोज के बैनर तले बनाई जा रही है। सूर्या ने खुद सोशल मीडिया पर इसका ऐलान करते हुए लिखा कि यह फिल्म उनके दिल के बेहद करीब है और इसके लिए उन्होंने निर्माता गोकुलम गोपालन का आभार व्यक्त किया। सूर्या ने साथ में फिल्म से जुड़े कुछ फोटोज भी शेयर किए, जिसमें वो गोकुलम गोपालन के साथ नजर आ रहे हैं। एक खास बात ये भी रही कि उन्होंने फिल्म में एक्ट्रेस प्रीति असनारी को किलर गर्ल बताते हुए उनके किरदार को लेकर सस्पेंस भी बढ़ा दिया।

सेलेब्स की बधाईयों की लगी लाइन

एसजे सूर्या की डायरेक्टोरियल वापसी पर साउथ के तमाम बड़े स्टार्स ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। राघव लॉरेंस ने लिखा, 'आपके निर्देशन में वापसी की खबर सुनकर खुशी हुई। आप निर्देशक से बढ़कर एक जबरदस्त एक्टर भी हैं। उम्मीद करता हूं ये फिल्म आपको एक हीरो के तौर पर भी बड़ी सफलता दिलाए।' वहीं, धनुष ने भी उन्हें सपोर्ट करते हुए लिखा, 'आप इस प्रोजेक्ट को लेकर जितने पैशनेट हैं, वो मैं जानता हूं। आपकी इस फिल्म के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। ऑल द बेस्ट।' सिलंबरासन टीआर ने सूर्या को एक बेहतरीन स्टोरीटेलर बताया और उनके नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। इस बीच एक और खबर ने फैन्स की एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है। एसजे सूर्या और एक्टर रवि मोहन पहली बार साथ काम करने जा रहे हैं फिल्म 'ब्रो कॉड' में, जिसे डायरेक्ट कर रहे हैं कार्तिक योगी। कार्तिक योगी इससे पहले डिक्कीलूना और वडक्कुपट्टी रामासामी जैसी फिल्मों से पहचान बना चुके हैं। फिल्म को रवि मोहन अपने प्रोडक्शन हाउस रवि मोहन स्टूडियोज के तहत प्रोड्यूस करेंगे। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सूर्या की वापसी को लेकर फैंस उत्साहित

एसजे सूर्या की गिनती उन सितारों में होती है जो अभिनय और निर्देशन दोनों में माहिर हैं। उनकी फिल्मों में कहानी, अभिनय और निर्देशन का जबरदस्त मेल होता है। ऐसे में 'किलर' से उनकी वापसी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

टिपिकल बहू-बीवी वाले कई रोल ठुकराए

अपने पहले ही टीवी शो जस्सी जैसी कोई नहीं से हर दिल में घर बनाने वाली एक्ट्रेस मोना सिंह ने अपने दो दशक लंबे करियर में टीवी, फिल्म, ओटीटी हर जगह अपनी छाप छोड़ी है। बीते दिनों लाल सिंह चड्ढा, काला पानी और मेड इन हैवन में सशक्त अदाकारी के लिए सराही गई मोना इन दिनों वेब सीरीज मिस्त्री में एसीपी सहमत सिद्दीकी के रोल में नजर आ रही हैं।

मोना बताती हैं, जब मैंने टीवी से शुरुआत की थी, तो मुझे भी वो टिपिकल बहू-बीवी वाले रोल बहुत ऑफर हुए थे, पर मैंने वो कभी नहीं किए। मुझे शुरू से पता था कि मुझे क्या नहीं करना है, तो मैंने काफी सारे शोज मना किए, क्योंकि मुझे नहीं बनना पर्दे पर बेचारी। मुझे नहीं चाहिए कि कोई आए और मुझे बचाए। हम खुद अपने को बचाते हैं, खुद अपना ध्यान रखते हैं, तो मुझे किरदार भी वैसे ही करने थे और अब ओटीटी पर वही हो रहा है। ये एक नया दौर चालू हुआ है, जहां फीमेल किरदारों को ज्यादा निडर, आत्मविश्वास से भरा, कामकाजी बनाया जा रहा है। ऐसा नहीं है कि आप या तो वैंप हैं या हीरोइन हैं तो आपकी जिंदगी बर्बाद है। अब ऐसे रोल गढ़े जा रहे हैं, जिसमें एक औरत के बहुत सारे शेड्स दिख रहे हैं, जो काफी हद तक पुराने स्टीरियोटाइप्स को तोड़ रहे हैं, इसलिए बतौर ऐक्टर मुझे बहुत मजा आ रहा है।

फौजी की बेटी हूं, डरना नहीं सीखा

मोना अपने आत्मविश्वास भरे निडर व्यक्तित्व का श्रेय अपने माता-पिता और फौजी बैकग्राउंड को देती हैं। बकौल मोना, मैं फौजी बैकग्राउंड से हूं। मेरी मां हमेशा एक वर्किंग वुमन रही हैं। एक आत्मविश्वास से भरी और निडर इंसान। मुझसे कभी किसी ने ये नहीं बोला कि तुम किसी से कम हो, तुम लड़की हो, तो ऐसे मत करो। ये मत पहनो। ऐसे मत हंसो। मुझे याद है कि जब मैंने अपने पैरेंट्स को बोला था कि मुझे मुंबई जाकर एक्टर बनना है तो उन्होंने तुरंत हां कर दी थी कि तुम अपने सपने जरूर पूरे करो, क्योंकि हमें कल को ये नहीं सुनना कि पैरेंट्स की वजह से बच्चों ने अपने सपने पूरे नहीं किए, तो मुझमें ये आत्मविश्वास मेरी मां से आया है। दूसरे, हम पंजाबी हैं और पंजाब में ज्यादातर औरतें आत्मविश्वासी और निडर होती हैं। हम पंजाबी में जब एक दूसरे को विश भी करते हैं तो बोलते हैं कि चढ़दी कला में रहो यानी जो भी हो जाए, अपनी जिंदादिली और जज्बा ऊंचा रखो। जो भी तूफान आएंगे, देख लेंगे।

लाल सिंह चड्ढा का किरदार था मुश्किल

अपने 22 साल लंबे करियर में मोना ने टीवी, फिल्म, ओटीटी हर माध्यम में विविधरंगी किरदार किए हैं। सबसे मुश्किल रोल कौन सा था? यह पूछने पर वह कहती हैं, मेरे लिए जस्सी बहुत ही चैलेंजिंग रोल रहा था, क्योंकि उनका लुक वैसा था, पर आपको रियल लगना है। लोगों को यकीन दिलाना है कि वह आपके बीच की लड़की है। इसके अलावा, लाल सिंह चड्ढा का किरदार मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था। उसमें मुझे 20 साल से लेकर 40 साल और फिर 60 साल की लेडी दिखना था, तो 60 साल की उम्र के लिए मैं अपने पैरेंट्स को देख रही थी। उनकी बॉडी लैंग्वेज ऑब्जर्व कर रही थी, क्योंकि बोलने, चलने का तरीका बदल जाता है, सब स्लो हो जाता है। फिर, मुझे अपना वजन भी बहुत कम-ज्यादा करना था कि 20 साल की उम्र में पतली, 40 में थोड़ी तगड़ी, फिर 60 की उम्र में बहुत कमजोर और बीमार, तो फिजिकली भी बहुत डिमांडिंग रोल था।

सालों से था रेस्त्रां खोलने का सपना

हाल ही में मोना ने रेस्त्रां खोलकर फूड बिजनेस की ओर रुख किया है। उस ओर कैसे रुझान गया? इस बारे में वह बताती हैं, कई सालों से मन था, क्योंकि हमारे पंजाबी घरों में तो उठते ही खाने की बात होती है। हम सब खाने के बहुत शौकीन हैं। खाना पकाना, खाना खिलाना, पार्टी रखना हमें बहुत पसंद है, तो मैं हमेशा से चाहती थी कि अपना एक छोटा सा कैफे हो। उसमें म्यूजिक चले, लाइब्रेरी हो, फिर वो कैफे से रेस्त्रां हो गया और किस्मत से इस साल यह सपना सच हो गया। हमने उसमें इंडियन फूड रखा है, जो कभी फैशन से आउट नहीं होगा। साथ ही एक नोस्टाल्जिया क्रिएट करने की कोशिश की है कि जो खाना हमने बचपन में खाया था, जब पापा आर्मी में थे, अलग-अलग जगहों पर उनकी पोस्टिंग होती थी, जैसे दार्जिलिंग के मोमो, हिमाचल का सिड्डू ऐसी चीजें रखी हैं।

पर्दे पर पहली बार बनी पुलिसवाली

अपनी वेब सीरीज मिस्त्री की एसीपी सहमत सिद्दीकी की किन खूबियों पर मोना का दिल आया? इस पर उनका कहना था, मैंने पुलिसवाली का रोल कभी नहीं किया था। मैं 22 से इस इंडस्ट्री में मैं हूं, मगर कॉप का रोल पहली बार किया, तो यूनिफॉर्म पहनकर बहुत मजा आया। मिस्त्री अमेरिकन शो मॉन्क का एडेप्टेशन है, जो 90 के दशक में हम सबने देखा है। मैं उसकी बहुत बड़ी फैन हूं, तो जब मुझे यह ऑफर हुआ तो मैं बहुत खुश थी, क्योंकि हमारे यहां ऐसी फीमेल कॉप के रोल बहुत कम बनते हैं, जिनमें थोड़ी हल्की-फुल्की कॉमिडी हो, थोड़ा ड्रामा भी हो। मुझे ये सब करने में बहुत मजा आता है, क्योंकि ओटीटी पर मैंने इतने सारे इंटेंस और सीरियस रोल्स कर लिए है कि सहमत जैसी शांत और सबकुछ आराम से करने वाली कॉप का किरदार मुझे बहुत पसंद आया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।